परमेश्वर का मार्ग जो हमारे लिए बनाया गया

अब एक साथ, इसे थामे रहे, अब वास्तव में महान।

आश्चर्यजनक अनुग्रह! कितनी मीठी वाणी,
जिसने मुझ जैसे अभागे को बचा लिया!
एक समय में खोया हुआ था, परंतु अब मैं ढूंढ लिया गया हूं,
अंधा था, परंतु अब मैं देखता हूं।

आइए, अब हम प्रार्थना के लिए सिर झुकाए।

2 हमारे स्वर्गीय पिता, हम तेरा इस महान विशेषअधिकार के लिए धन्यवाद देते हैं कि हम तेरे पास आए है। पहली बात, सिवाये मसीह के हम तेरे पास नहीं आ सकते। इसलिए हम उसका नाम अपनी प्रार्थनाओ से पहले रखते है। और तब हम जानते है, कि उसके नाम के द्वारा जिसका कि आप उत्तर देंगे, क्योंकि हम उसके नाम में मांगते है। हमारी अपनी कोई धार्मिकता नहीं, हम अपने में कुछ नहीं रखते जो कि हम कर सकते; परंतु केवल अनुग्रह के द्वारा हम आते है, मसीह के नाम में मांग रहे है।

3 पिता, आज रात्रि बहुत से पुरुष और स्त्रियां इस भवन में, और इसके आसपास हो सकते हैं, जो पापी है। आप पापियो के लिए मर गए। होने पाए ये रात्रि हो कि परमेश्वर उनके हृदय से बोलेगा और उन्हें अपने अनुग्रह से राज्य में बुलाएगा। पिता इसे, प्रदान करें। संभव है उन्होंने बहुत सारे वर्ष नष्ट कर दिए हो, पाप में घूमते हुए, परंतु होने पाए कि यह वह घड़ी हो।

4 प्रभु, आज रात्रि बिली पॉल के लिए आपका धन्यवाद हो, मेरा बेचारा, बिन मां का लड़का, लगभग अशांत, प्रभु, आपका धन्यवाद हो, उसे पवित्र आत्मा देने के लिए, जैसे कि अब निश्चित है, किसी महिमा वाले दिन में हम मां को फिर से देखेंगे, सारी चीजें ठीक है, अच्छी प्रकार से रहे। ओह परमेश्वर, स्वर्गदूत आज उसे यह बताएं। अपनी मृत्यु पर बहुत चिल्लाई कि, "सेवा करें... किसी दिन बिली परमेश्वर की सेवा करें पॉल एक पुरुष होगा और पवित्र आत्मा पाएगा।" प्रार्थना का उत्तर दिया गया है। परमेश्वर, अब

लड़के को आशीष दे। होने पाए कि यह स्वामी के पद चिन्हों का अनुकरण करें। कैसे उसकी छोटी आवाज कांप रही थी जब उसने कहा, "पिताजी, मैंने अभी–अभी पवित्र आत्मा पाया है। मैं बहुत आनंदित हूं।"

5 परमेश्वर, होने पाए कि यह प्रत्येक दोबारा जन्म ना पाए वालों को—को अनुभव मिले, लोग जो आज रात्रि यहां पर है। वे आज रात्रि पवित्र आत्मा पाए। हमने कोई पाप किया हो, हमें क्षमा करें, प्रभु। बीमारों को चंगा करें। टूटे हुए ह्रदयो को जोड़ दें।

6 और अब, प्रभु, मैं अब यह भी नहीं जानता कि आज रात्रि बोलने के लिए कहां से आरंभ करूं, परंतु तू ही देगा। मैं तुझ पर विश्वास करता हूं, और मैं यह मांगता हूं कि आप हमें कुछ देंगे जो लोगों की सहायता करेगा, क्योंकि इसे हम उसके नाम में मांगते है। आमीन।

7 यशायाह 35 में, एक छोटे से पवित्र वचन को पढ़ने के लिए, मैं पढ़ना चाहता हूं। क्योंकि, मेरे वचन असफल हो जाएंगे; परमेश्वर का वचन कभी असफल नहीं होगा। इसलिए, कोई भी सभा बिना वचन पढ़े पूरी नहीं—नहीं होती।

जंगल... और निर्जल देश प्रफुल्लित होंगे, मरुभूमि मगन होकर केसर की नाई फूलेगी।

वह अत्यंत प्रफुल्लित होगी और आनंद के साथ... जय जयकार करेगी: उसकी शोभा लबानोन की सी होगी... और वह कार्मेल और शारोन के तुल्य तेजोमय हो जाएगी, वे यहोवा की शोभा और हमारे परमेश्वर का तेज देखेंगे।

ढीले हाथों को दूर करो और थरथरते हुए घुटनों को स्थिर करो।

घबराने वालों से कहो... हियाव बांधों, मत डरो: देखो, तुम्हारा परमेश्वर पलटा लेने और प्रतिफल देने को आ रहा है... हां परमेश्वर आकर तुम्हारा उद्धार करेगा।

तब अंधों की आंखें खोली जाएगी और बहारों के कान भी... खोले... *जाएंगे।*

तब लंगड़ा हिरण की सी चौकड़िया भरेगा, और गूंगे अपनी जीभ से जय जयकार करेंगे: क्योंकि जंगल में जल के सोते फूट निकलेंगे, और मरुभूमि में नदियां बहने लगेगी।

मृगतृष्णा ताल बन जाएगी और सूखी भूमि में सोते फूटेगे: ... जिस स्थान में सियार बैठा करते है, उसमें घास और नरकट और सरकंडे होंगे।

और वहां एक सड़क अर्थात राजमार्ग होगा,... उसका नाम पवित्र मार्ग होगा कोई अशुद्ध जन उस पर से जलने ना पाएगा; वह तो उन्हीं के लिए रहेगा: और उस मार्ग पर जो चलेंगे वह चाहे मूर्ख भी हो तो भी कभी ना भटकेगे।

वहां सिंह ना होगा और ना कोई हिंसक... जंतु उस पर ना चढ़ेगा, ना वहां पाया जाएगा; परंतु छुड़ाएं हुए उस में नित चलेंगे:

और यहोवा के छुड़ाए हुए लोग लौटकर जय जयकार करते हुए सिय्योन में आएंगे; और उनके सिर पर सदा आनंद होगा: वे हर्ष और आनंद पाएंगे, और शोक की लंबी सांस लेना जाता रहेगा।

8 इस पढ़े जाने पर प्रभु अपनी आशीष दे—उसके वचन को पढ़े जाने पर। यदि परमेश्वर ने चाहा, तो मैं आज रात्रि थोड़ी देर के लिए आप से बोलना चाहता हूं। मैं यहां अपनी घड़ी देखना चाहता हूँ ताकि आज रात्रि आपको अधिक ना रोकू।

9 इस सप्ताह की सभाओं को पूरा होने के पश्चात लोगों को दिखाने का यत्न कर रहा हूं भयभीत होने की कोई आवश्यकता नहीं। एक खराब बात जो शैतान आप पर डाल सकता है वह भय है। यदि आपको कैंसर भी है और नहीं डरे, और परमेश्वर पर विश्वास किया तो, आप चंगे हो जाएंगे, आप बहुत बुरी दशा में नहीं होंगे। परमेश्वर इसकी चिंता करेगा; यदि आप बीमार थे, यह जो भी है, यदि आप डरे नहीं है। इसलिए भय एक खराब बात जो शैतान व्यक्ति पर डालता है।

10 अब, इस सप्ताह मैंने पवित्र शास्त्र से, यह सिद्ध करने का यत्न किया है, कि मनुष्य जिसने नया जन्म पाया है, परमेश्वर के राज्य में उसके पास भय की कोई बात नहीं है। आप यीशु मसीह में, बिल्कुल सुरक्षित है। "वह सब जो पिता ने मुझे दिया," उसने कहा, "वह मेरे पास आएगा। कोई मनुष्य नहीं आ सकता जब तक पिता ही ना बुलाए। पिता को ही उसकी अगुवाई मेरे तक करनी है; और वह जो मेरे पास आता है, मैं उसे कभी ना निकालुंगा। और सब... कोई मनुष्य उन्हें मेरे पिता के हाथ से नहीं छीन सकता; कोई भी मनुष्य उससे बड़ा नहीं है। वह जो मेरे वचनों को सुनता

है और मेरे भेजने वाले पर विश्वास करता है, उसके पास अनंत जीवन है; वह दोषी नहीं ठहरेगा, परंतु जीवन से पार होकर... मृत्यु से जीवन में आ गया। वह जो मेरा मांस खाता ओर मेरा लहू पीता है, वह होगा... " (ना ही "उसके पास होगा," परन्तु "है," वर्तमान काल।) "... अनंत जीवन, और मैं उसे अन्तिम दिन उठा खड़ा करूंगा।"

11 "जिसके लिए तुम परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो जिससे कि तुम पर छुटकारे के दिन तक के लिए छाप दी गई है।" आप वहीं है। "छुटकारे के दिन तक के लिए मोहर बंद किए गए।" ना कि एक बेदारी से दूसरी बेदारी तक, परंतु तुम्हारे छुटकारे के दिन तक के लिए।

12 ओह, कैसे आज प्रातः पवित्र आत्मा ने आकर इस पर हमें आशीषित किया! हमें यहां डेढ़ बनो तक रखा आज प्रात: साढ़े, नौ बजे से। कैसे उसने हमे आशीषित किया!

13 अब, आज रात्रि, मैं बोलना चाहता हूं... यशायाह ने यहां कहा, "एक राजमार्ग होगा, और पवित्रताई का मार्ग होगा।" अब मैं "परमेश्वर के मार्ग," पर बोलना चाहता हूं, *परमेश्वर का मार्ग जो हमारे लिए बनाया गया।*

14 अब, यदि मैं न्यूयार्क नगर को जा रहा था, मेरे लिए सबसे अच्छी बात कि मैं यह ढूंढने का यत्न करूं, भौगोलिक रूप में, कि मैं किस स्थिति में हूँ और उत्तर की ओर जाऊं। परंतु सबसे अच्छा मार्ग कि नक्शा लूं और उसका अनुकरण करूं (क्या यह ठीक बात है?) एक राजमार्ग। यदि मेरे पास नहीं है तो, मैं परेशानी पड़ जाता हूं।

15 परमेश्वर के राज्य में कोई छोटा मार्ग नहीं है। आप जानते है, हम छोटा मार्ग बनाने का यत्न करते है, हम यहां किसी तालाब पर जाते हैं या कीचड़ में जाते है। और जब हम परमेश्वर के अच्छे पुराने मार्ग से हट जाते हैं तो हम यही करते है। परमेश्वर मार्ग बनाता है, एक मार्ग।

16 जब इस्राएल के बालक मिस्र से बाहर निकल कर आए तो उन्होंने परमेश्वर के मार्ग का अनुकरण किया। वह लाल सागर तक गया। आश्चर्यजनक, कि परमेश्वर अपने मार्ग को वहां ले जाता है। परंतु उसका मार्ग उस सागर में से होकर जाता है।

17 इसलिए जब समय आता है, और शक्ति परीक्षण का समय, और इस्राएल वहां सागर के पास खड़ा हुआ, परमेश्वर का मार्ग सागर में होकर जाता है। इसलिए परमेश्वर अग्नि स्तंभ से नीचे देखता है, और समुद्र डर

जाता है और पीछे हट जाता है, और इस्राएल सूखी भूमि में से होकर पार हो जाता है। परमेश्वर का मार्ग वहां से होकर निकलता है।

18 तब वह सीधा जंगल में *माराह* के सोते के पास पहुंचता है, "कड़वाहट" का पानी। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि परमेश्वर अपने बालकों को कड़वे पानी के पास से ले चलता है? परंतु वे सब मार्ग से होकर जाते है। परंतु जब वह वहां था, तो कड़वे पानी उपचार वही किनारे पर था। मूसा ने एक पेड़ काटा और उसे पानी में डाल दिया और फिर मीठा हो गया।

> उस पानी में से होते हुए, कुछ बाढ़ में से होते हुए,
> कुछ गहरी परीक्षाओं में से, परंतु सब लहू में से होते
> हुए।

19 परमेश्वर अपने बालकों की ऐसी ही अगुवाई करता है; परमेश्वर का मार्ग, परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग। यदि इस्राएल के बालकों ने इससे बचने का यत्न किया होता और घूम कर जाते इस मार्ग से, तो वे परेशानी में पड़ जाते। उन्हें आग के बादल का अनुकरण करना ही था, आग का स्तंभ जिसने उनकी अगुवाई की। उन्होंने उसका अनुकरण किया।

20 और यदि आज रात्रि कलीसिया केवल अग्नि स्तंभ का अनुकरण करें, पवित्र आत्मा, तो आप निश्चय ही कनान बनाएंगे। परमेश्वर का एक मार्ग है, एक दिया गया मार्ग।

21 एक मनुष्य दो मार्गो से जा सकता है, और वह उसका अपना मार्ग या परमेश्वर का मार्ग, और यह सही या गलत मार्ग है। और आपका मार्ग सदा गलत मार्ग है, और परमेश्वर का मार्ग सही मार्ग है। और आप अपने ही तरीके से नहीं हो सकते और उसी समय में परमेश्वर के मार्ग में, इसलिए परमेश्वर का अपना मार्ग आप में हो सकता है। यह ठीक बात है। परमेश्वर एक निश्चित मार्ग बनाता है।

22 मनुष्य सदा मार्ग को अपने ही विधि से बनाना चाहता है। अदन की वाटिका में, परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया ताकि उसे बिना मतलब बदलना ना पड़े। परमेश्वर ने उसे सिद्ध बनाया, परंतु मनुष्य अपना मार्ग चाहता था। वह हस्तक्षेप करना चाहता था। वह पाना चाहता था। और तब जैसे ही वह गिरा... इस सप्ताह हमने इसमें होते हुए देखा, पवित्र वचन के अध्ययन में। उसने स्वयं अपना एक धर्म बनाया। उसने परमेश्वर की प्रतीक्षा ना की कि इसके लिए बनाए। उसने स्वयं अपने लिए बनाया, परंतु उसने पाया, कि

उसका धर्म उसका ओढना, काम नहीं करेगा। मनुष्य सदा से ऐसा ही रहा है। वह अपना मार्ग चाहता है। परंतु परमेश्वर का मार्ग है। इसलिए मनुष्य ने अंजीर के पत्तों से और उन्हें अपने ऊपर डाल लिया, और अपनी पत्नी पर, परंतु, जब वह परमेश्वर के सन्मुख आया, उसने पाया की यह कार्य नहीं करेगा।

23 और मित्रों, मैं आपको बताता हूं, बहुत सारे पुरुष हुए और आज भी है, जो अपने मार्ग के अंत में आ रहे है, वे पाएंगे कि वह हल्का धर्म जिसे आप थामे हुए हैं काम नहीं करेगा। नया जन्म बिना पाए कोई काम नहीं चलेगा। यीशु ने कहा, "जब तक मनुष्य जल और आत्मा से ना जन्मे, वह कभी भी स्वर्ग राज्य में प्रवेश ना करेगा।" कैसे भी नहीं, कोई मतलब नहीं यदि वह मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन हो, वह जो भी है, वह भीतर प्रवेश ना करेगा, जब तक वह जल और आत्मा से ना जन्मे। *जन्म* जिसका अर्थ वह "बदल गया।" जन्म ले सकने से पहले उसे मरना है। इसलिए आपको मरना है अपने आप से, कि फिर से जन्मो, मसीह यीशु में। यह ठीक बात है।

24 अब मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, उसने स्वयं को पाया कि अपने मार्ग को बनाने का यत्न कर रहा है। आज की प्रात: हमने देखा, कैन ने अपना मार्ग बनाने का यत्न किया। वह कुछ सेब और नासपाती और आड़ू और कद्दू और जो भी वा वेदी पर रख दिया और कहा, "अब, प्रभु, यहाँ मैंने एक वेदी बनाई। मैंने एक कलीसिया बनाई। मैं कलीसिया का एक अच्छा सदस्य हूं।" देखा? "मैं प्रतिदिन आराधनालय में जाता हूं। मैं यहां आता हूं, वेदी बनाता हूं। मैं इस पर बलिदान रखता हूं। अब मैं घुटने टेककर प्रार्थना करने जा रहा हूं। और अब, प्रभु, मैं चाहता हूं कि आप मुझे ग्रहण करें।" परंतु परमेश्वर ने उसे अस्वीकार कर दिया।

25 और वही पुरानी धार्मिक आत्मा जो ठीक आज कलीसिया के मध्य में रहती है, वही चीज, उतने ही धार्मिक जितने की हो सकते हैं, और परमेश्वर के विषय में नहीं जानते जैसे अफ्रीका की जंगली जाति मिस्र के योद्धा के विषय में जानेंगे। आप जानते है कि यह सत्य है। धार्मिक आत्माएं! मत सोचिए कि स्टॅलिन मसीह विरोधी है। बाईबल ने कहा, "दो आत्माएं इतनी समीप होंगी कि प्रत्येक चुने हुए को धोखा दे दे यदि संभव हो सके तो।"

26 हम पाते हैं कि यहूदा इस्क्रोती आया, और जाकर आनंदित हुआ और सुसमाचार प्रचार किया; वापस आया, आनंद करता और चिल्लाता हुआ और बाकी चेलो के साथ एक महान समय। संत मत्ती, 10वां अध्याय। परंतु उसने चेलो का अनुकरण किया, फिर भी अवतरित शैतान है, और साथ–साथ आया; जैसे यीशु अवतरित परमेश्वर था; और कैन और हाबिल अदन वाटिका से। परंतु जब उसका समय आया कि पेंटीकोस्ट पर पहुंचे, और आशीषित हो, उसने अपना रूप दिखा दिया।

27 और जब आप फिर से जन्म लेने के विषय में बात करते हैं, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को प्राप्त करना, दस में से नौ वे आत्माएं, अपना रूप दिखा देगी, कि वे कौन है। वे कहेंगे, "कि यह हठ धर्मियों का झुंड है। इसे हटाओ।" भाई, यह आज परमेश्वर द्वारा मनुष्य को दिया गया मार्ग है। हाल्लेलुय्या!

28 देखिए, परमेश्वर ने सदा एक मार्ग दिया है। परमेश्वर बाध्य है कि मार्ग निकालें। परमेश्वर ने प्रकृति के लिए मार्ग दिया है। क्यों हमारे राष्ट्र में यह बड़ी–बड़ी बाढ़े हैं? सारी लकड़ियों आदि को काटना, उसे साफ करने दो। आप यहां एक बांध बनाते हैं और नदी के किनारो का भराव किया; यहां पानी आता है। आप प्रकृति में विघ्न उत्पन्न करते है। परमेश्वर का दिया गया मार्ग है। यही कारण है कि बाढ़ आती है। कोई भी चीज जिसमें मनुष्य हस्तक्षेप करता है, जिसे परमेश्वर ने सिद्ध बनाया है, तब आप उसे सिद्धता से हटाते है। यह ठीक बात है।

29 और जैसे ही उदाहरण के लिए, एक उस—उस बत्तख के समान। मैं बत्तखो को देखना पसंद करता हूं, ऋतुओ में जब मैं पहाड़ों पर शिकार के लिए जाता हूं। मैं वहां वर्ष के अंत में जाता हूं। तो, वहां लुसियाना से बत्तखे आती है, और वहां पर और वहां दलदल में। और वहां उत्तर की ओर जाकर बैठती है, घोसले बनाकर और अपने बच्चों को पालती है। तब छोटा पाला उठता है, लगभग सितंबर में आता है, वर्ष के इस समय में, या सितंबर के अंत में। और तब छोटी पुरानी बत्तख, छोटी बत्तख, वह जो कभी तालाब से कभी बाहर नहीं निकली। वह ठीक वही तालाब में है।

30 कुछ समय पश्चात वहां पहाड़ पर से कोहरा छट जाता है। एक थोड़ी सी बर्फ वहां पर है, और ठंडी हवा उस पहाड़ पर आर–पार बहती है। वह छोटी पुरानी बत्तख अनुभव करती है। अब वह कभी भी कहीं नहीं थी सिवाये उस

तालाब के, और वह अभी एक वर्ष की आयु का भी नहीं है। वह अपना सिर हवा में ऊपर उठाता है, वह छोटा कें कें करने वाला वह तालाब के मध्य की ओर भागता है और "कें कें" करता है, तालाब की प्रत्येक बत्तख उसके पास आती है। तालाब की प्रत्येक बत्तख जानती है कि वह अपने जन्म से ही अगुवा है। और वह छोटी बत्तख तालाब पर से उठेगी, बिना किसी दिशा सूचक यंत्र के या किसी चीज के साथ, और वह सीधी लुजियाना जाती है, उस धान के खेत में, जैसे की वह जा सकता है।

31 मसीहो के समान दिखाई पड़ता है, एक बत्तख की इन्द्री होनी चाहिए, जो भी है। क्या नहीं? यह ठीक बात है। ठीक है।

32 क्यों? आप कहते है, "यह प्रतिमा है।" नहीं, वे परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर जाते है। परमेश्वर उन्हें एक मार्ग देता है, एक सहजबोध कि उन्हें वहां तक अगुवाई करने के लिए ले जाए, और वे इसका विश्वास करते है।

33 परंतु परमेश्वर उन्हें पवित्र आत्मा देता है, और वह उसको अस्वीकार करता है, उसका अपना मार्ग है। परंतु परमेश्वर के पास हमारे लिए एक पहले से तैयार किया हुआ मार्ग है। हाल्लेलुय्या! इसके बाद मुझे आज रात्रि धार्मिक अनुभूति हो रही है, और वे कुछ बेदारी की रातें।

34 ध्यान दें, यहां यहां पर है। जी हां, श्रीमान। यह छोटी बत्तख वहां नीचे जाएगी।

35 और मैं आपको कुछ बताऊंगा। आप यहां एक अखबार को देखेंगे; कहता है, "कल बहुत शानदार मौसम रहेगा।" और आप शिकार पर जाकर उन खरगोशों को घास में देखते है जो घास में बैठे है। क्या आप उन अखबारों में रुचि नहीं रखते।

36 आप उस बड़ी सुअरी को देखें उत्तर दिशा से पहाड़ के भूसे को लेकर, और उसे दक्षिण की ओर पहाड़ में ले जाती है और एक—एक अपना बिछौना बनाती है दक्षिण की ओर पहाड़ में। वह सारे संसार के अखबारों से जो टिप्पणी करते है अधिक जानती है। सही है। उसमें एक सहज बोध है। वह दक्षिण की ओर जाती है, ताकि उत्तर की हवाओं से जो नीचे आती है उससे बच सके। [भाई ब्रन्हम पुलपिट पर कई बार टक टक करते है—सम्पा।] ओह, प्रभु!

37 यदि सूअर में यह सहज बुद्धि है कि वह हवाओं से बचे तो फिर तुम पवित्र आत्मा वाले लोगों के विषय में क्या है? हाल्लेलुय्या! यह आपकी सहज बुद्धि है। जी हां, श्रीमान।

38 और परमेश्वर ने उन्हें एक सहज बोध दिया है। यह परमेश्वर के द्वारा उनके लिए तैयार किया हुआ मार्ग है। वे परमेश्वर के द्वारा पहले से दिए गए मार्ग पर जीवित रहते है।

39 आप एक फूल लेते है, जब वह मर कर मिट्टी में चला जाता है। यह उसका अंत नहीं है; वह फिर जीवित होता है। परमेश्वर का यह उसके लिए पहले से तैयार किया हुआ मार्ग है, और वह इसमें विश्वास करता है।

40 परमेश्वर सदा पहले से बनाया हुआ मार्ग रखा है। कभी–कभी यह आनंद की चीजों में से होकर नहीं निकलता, यह कठिन मार्ग से होकर जाता है, परंतु यह परमेश्वर द्वारा पहले से दिया गया मार्ग है जो भी है। परमेश्वर ने इन्हें पहले से बनाया है।

41 एक बार उसके पास एक पुरुष था, जो परमेश्वर द्वारा दिए गए मार्ग पर था, उसे सिंहो की मांद में से होकर जाना था। परमेश्वर उसे फिर से वापस लाया। हाल्लेलुय्या!

42 मैं देख सकता हूं कि एक प्रातः कुछ इब्री बालक वहां बैठे हुए है। उन्होंने मूर्ती दंडवत को मना कर दिया। यह ठीक बात है। उन्होंने कहा, "हम यह नहीं करेंगे। अपने सारे संगीत को चाहो, तो बजाओ अपने सारे बाजे और तुरहियां बजाओं, परंतु हम तेरी मूरत के सामने नहीं झुकेंगे।" हाल्लेलुय्या!

43 हमें कुछ और शद्रक, मेशक और अबेदनगो को दे दो, (हां, श्रीमान) जो आपके संसार के चीजों के सामने ना झुके। हमें इसके सामने ना झुकना पड़े। परमेश्वर ने हमें स्वतंत्र बनाया है, पवित्र आत्मा के द्वारा। हाल्लेलुय्या! जी हां, श्रीमान।

44 अब एक प्रात: मैं वहां नीचे देख सकता हूं। आइए हम——हम——हम अपने कैमरे इधर की ओर एक मिनट के लिए घुमा ले, और ध्यान देकर और देखें। मैं वहां उन लड़कों को देख सकता हूं, एक प्रातः। उन्होंने कहा, "अब देखिए, राजा ने कहा, 'प्रत्येक जो दंडवत नहीं करता, उसे हम जलती हुई भट्टी में फेंकने जा रहे है।'"

45 और उन्होंने जाकर पूरी एक रात्रि प्रार्थना की। अगले दिन, जब आवाज आई की उन्हें मूरत के आगे झुकना है, क्यों, उन्होंने उससे अपनी पीठ फेर ली।

इसलिए वह पास आकर, बोला, "लड़कों, क्या तुमने यह किया? " "हां।"

46 "अच्छा, तो हम भट्टी को पहले से सात गुना अधिक धधकायेगे।"

47 अब क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है! वहां एक बड़ा लोहे का तख्ता रखा हुआ था, जो भट्टी के मुख तक जाता था।

48 यह प्रातः समस्त बाबुल में लाल थी, आग भड़क रही थी। मैं नबुकदनजर को आज के एक आधुनिक पुरुष के समान देख सकता हूं, उसने वहां बैठे हुए कहा, "अब हम इन लोगों में से सारा पवित्र आत्मा वाला धर्म जला देंगे।"

49 ओह, हां, क्या तुम नहीं सोचते, कि शैतान तुम्हें नहीं जलायेगा। निश्चय ही वह जालायेगा। स्मरण रखे, पवित्र आत्मा स्वयं आग है।

50 अब क्या देखना चाहते हो, परमेश्वर का मार्ग सीधा वहां भट्टी तक उस बड़े ढक्कन तक ले जाता है। मैं देख सकता हूं शद्रेक, मेशक, अबेदनगो, मृत्यु की कदमताल से चल रहे है। मैं सुन सकता हूं शद्रेक कहता है, "अबेदनगो, क्या तुमने प्रार्थना की? "

"हां"

"तो फिर, ठीक है।"

"क्या तुम निश्चित हो कि तुम परमेश्वर के मार्ग पर हो? "

51 "जी हां, श्रीमान। और परमेश्वर ने अपने वचन में कहा है कि हमें मूरतो के आगे नहीं झुकना है, और हम यह नहीं करते। परमेश्वर हमें इस जलती हुई भट्टी से छुड़ाने के योग्य है। परंतु यदि वह नहीं छुड़ाता, तो क्या। हम दंडवत नहीं करेंगे। हम परमेश्वर के द्वारा पहले से ठहराये हुए मार्ग पर जा रहे है।"

52 मैं सुन सकता हूं कि कोई कहता है, "क्या तुम्हें पक्का है कि तुम परमेश्वर द्वारा दिए गए मार्ग पर चल रहे हो? "

"हां।" हाल्लेलुय्या!

53 कोई कहता है, "अच्छा, क्या आप नहीं सोचते कि वे सारे लोग सही हो सकते हैं, बजाए तुम्हारे? "

54 "नहीं, श्रीमान। बाईबल ने ऐसा कहां है, और हम इसके साथ स्थिर है।" ठीक उस भट्टी के ढक्कन तक वे जाते है। मैं... ताप इतना अधिक है... गर्मी की तपिश ने लगभग... इसने उन लोगों को मार डाला जो उन्हे यहां तक लाये।

55 वे भीतर जाने के लिए लगभग तैयार थे। परमेश्वर ने कोई वचन नहीं कहा। वे अब भी दिए गए मार्ग पर चल रहे है। सीधे भट्टी के मुंह तक चलते हुए गए। ठीक उसी समय, वे भीतर जाने के लिए तैयार थे उस धधकती भट्टी में... आप जानते है, मेरे सामने एक भयानक काली तस्वीर अभी–अभी आई। लोग जो परमेश्वर के सामने सच्चाई से जीवन व्यतीत करते है; वे परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर चलते हैं जल जाना तय है। क्या ही चित्र है!

56 ध्यान दें, हर समय वहां कुछ ना कुछ चलता रहता है, वहां ऊपर भी कुछ ना कुछ चलता रहता है, उसी समय में। आइए हम थोड़ा वहां ऊपर देखें और देखें क्या हो रहा है। मैं उसे वहां खड़ा हुआ देख सकता हूं, और उसके शाही राजकुमार वाले वस्त्र उसके चारों ओर है। हाल्लेलुय्या! मैं देख सकता हूं, पहली चीज जो दाहिनी ओर की ओर से आ रही है, वह एक बड़ा स्वर्गदूत जो मिकायेल कहलाता है। वहां एक उनके पास है। क्या यह आप जानते है? मैं सुन सकता हूं कि वह उसके दाहिनी ओर भागा, बोला, "स्वामी!" मैं उसे म्यान में से तलवार निकालते हुए देख सकता हूं, *इस* प्रकार से, और कहता है, "क्या तू ने इस प्रातः बाबुल में नीचे देखा? वे लोग हैं जो परमेश्वर के दिए हुए मार्ग पर चल रहे है। लोग हैं जो अपनी गवाही पर इस प्रात: मोहर करने के इच्छुक है। हमारे भाई अब जलने वाले ही है।" मैं उसे कहते हुए सुन सकता हूं, "मुझे नीचे जाने दो! मैं दृश्य को बदल दूंगा।" मैं विश्वास करता हूं कि वह यह कर सकता था; मैं करता हूं।

57 मैं उसे यह कहते हुए सुन सकता हूं, "नहीं, में तुझे ये करने नहीं दे सकता।जिब्राएल, तुम एक रहे हैं, याने, माइकल, तुम बहुत अच्छे स्वर्गदूत रहे हो। जाओ, अपनी तलवार वापस रखो, वहां सावधान खड़े रहो।"

58 यहाँ दुसरा स्वर्गदूत आता है, वो वर्मवुड कहलाता है; वो पानी को कड़वा करता है। वहाँ वह आकर कहता है, "स्वामी, वहाँ नीचे देखो। मेरे पास सारे पानीयों का अधिकार है। आप ये मुझे वो नूह वाले समय के विनाश को सौप दे, और मैं सारा संसार साफ़ कर दूंगा सारे सिवाय नूह और उसके लोग। अब," उसने कहा, "मुझे वहाँ नीचे जाने दो मैं बाबुल को नक़्शे से साफ़ कर दूँगा।"

59 मैं उसे कहते हुए सुन सकता हूं, "वुडवॉम, तुम यह कर सकते हो यह ठीक बात है, परन्तु मैं तुम्हे जाने नहीं दे सकता। यह पूरे मनुष्य की जिम्मेदारी है।"

60 ओह, मैं उसे *इस* प्रकार खड़ा हुआ देख सकता हूं। वे अपना अंतिम कदम उठाने वाले थे। मैं उसे देख सकता हूं कि वहां पहुंचकर और कहता है, "यहां आओ," उस बड़े गर्जना अध्यक्ष से जो वहां सामने था कहता है। ओह, प्रभु! उसने उसकी मानी।

61 मैं उसे देख सकता हूं, कहते हुए सुनता हूं, "पूर्व की हवा, उत्तर पश्चिम और दक्षिण यहां आओ, और इस गर्जन के शिष को ले चलो। मैं तुम्हे घोड़ो के समान चलाऊंगा। मैं इस गर्जना शीष पर बैठने जा रहा आज प्रात: जैसे कि रथ। मैं स्वयं नीचे बाबुल जा रहा हूं।" हाल्लेलुय्या!

62 मैं उसे पहुंचते हुए देख सकता हूं और उस इधर–उधर चमकने वाली बिजली को थामे हुए और आकाश के एक से दूसरे छोर तक, *इस* प्रकार देख सकता हूं; जैसे ही उन्होंने अपना अंतिम कदम उठाया, परमेश्वर के दिए हुए मार्ग में बढ़ते हुए। और उस समय के लगभग जब वे वहां पहुंचते हैं, वह जीवन के सागर से होते हुए और वह खजूर को लिया, वह वहां नीचे खड़ा हुआ, उनकी ओर हवा को बहा रहा है। हाल्लेलुय्या! वह सदा वहां होगा जब मनुष्य परमेश्वर के दिए हुए मार्ग पर चलेगा। जी हां, श्रीमान।

63 वहां एक बार एक बूढ़ा "नीम हकीम" प्रचारक था, एक पुराना होलीनेस प्रचारक वहां पहले, बहुत समय पहले नूह नाम का। उसने कहा, "आप जानते है, कि वर्षा होने वाली है, एक तूफान आने वाला है।"

64 मैं लोगों को आसपास कहते हुए सुन सकता हूं, कहते है, "क्या तुमने उस पवित्र शोर मचाने वाले को सुना वहां पर? उसने कहा कि, 'वर्षा होने वाली है।' क्यों, पृथ्वी पर कभी वर्षा नहीं हुई। और यह वर्षा होने जा रही है? कैसे, वह, पानी कहां से आएगा? अच्छा, जाकर विज्ञान को लेकर

पता लगाते है कि यदि वहां पर कहीं पानी है। क्यों, वहां ऊपर कोई पानी नहीं है। क्या बात है? वह बूढ़ा प्रचारक सनक गया है।"

65 परंतु परमेश्वर ने ऐसा कहा है! परमेश्वर ने कहा, "एक नाव तैयार कर, नूह, अपने घराने को बचाने के लिए, लोगों को बचाने के लिए।" और नूह के पास यह करने की समझ थी। ऐसा ही है। और उसने आकर नाव तैयार की।

66 और एक दिन, मैंने वहां कोने में कुछ लोगों को कहते सुना, वहां व्यापारी कोने पर। उनमें से कुछ कहते है, "हे, अरे वह वर्षा वाली कहानी क्या है, वह बूढा नीम हकीम प्रचारक वर्षा आने के विषय में वहां बात कर रहा है? क्या तुम कभी कोई ऐसी बात सुनी है? और वह सोचता है कि वह परमेश्वर के दिए हुए मार्ग में है।" वह था। आमीन।

67 पहली बात आप जानते हैं, वहां गर्जन और बिजलियां चमक रही है। मैं वहां एक बड़ी, बूढी, ऊंटनी को देख सकता हूं, ऊपर देखकर और कहती है, "पापा ऊँट, क्या आप सुनते हैं कि वह क्या था? वह गर्जन थी। यही वह है जो नूह ने कहा। चलो नाव में चले।" वहां पहाड़ के पार वे गए। और वहां पापा घोड़ा और मां घोड़ी है और सारे जोड़े, सीधे नाव के अंदर, एक–एक करके। परमेश्वर ने द्वार बंद कर दिया, वर्षा भेजी। नूह परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर है।

68 कुछ उनमें से लठ्ठे पर आ गए, कहा, "मैं इस से तैर जाऊंगा।" परंतु मैं आपको बताऊंगा, जब तूफान बढ़ने लगेगा, नाव ऊपर चढ़ गई। हाल्लेलुय्या! क्यों? वे परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर थे। परमेश्वर सदा लोगों को आशीषित करेगा जो उसके दिए गए मार्ग पर चलते है। उसने लठ्ठा कभी भी नहीं दिया था। उसने *यह* कभी नहीं दिया। उसने एक नाव दी।

69 और, आज, मेरे भाई और बहन, पुरुषों और महिलाओं के लिए, एक मार्ग परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के द्वारा दिया गया है, जो वहां कलवरी पर मरा, और उसके लहू के द्वारा हमारे पापों का छुटकारा है; और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा ले सकते हैं, जैसे कि परमेश्वर की स्वीकृति है, कि उसने हमें अपने पुत्र यीशु मसीह में, स्वीकार किया है। बचाते हुए सुरक्षित! हाल्लेलुय्या!

70 जो भी है मुझे पवित्र शोर मचाने वाला कहने जा रहा है, इसलिए आप अपनी आरंभ कर सकते है। ठीक है। मुझे अच्छा अनुभव होता है। ठीक है।

71 क्या आप इसमें विश्वास करते है? [सभा, "आमीन।"—सम्पा।] यह परमेश्वर का मार्ग है और केवल एक ही मार्ग है। यह मैथोडिस्ट का मार्ग नहीं, यह बैपटिस्ट का मार्ग नहीं है, ना ही प्रेसबीटेरियन, ना ही पेंटीकोस्टल का। यह मसीह का मार्ग है। मसीह परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग है। वह परमेश्वर द्वारा दिया गया बलिदान है। वह यहोवा–राफा है। वह यहोवा–यीरे है। वह यहोवा–मनसेह है।

72 जब अब्राहम ने इसहाक को चढ़ाया, उसने उस स्थान को *यहोवा–यीरे* कहा, "प्रभु स्वयं बलिदान देगा।" और यह यहां पर है, परमेश्वर का पुत्र। आमीन। परमेश्वर सदा बच निकलने का मार्ग बनाता है। जी हां, श्रीमान।

73 एक बार वहां एक बूढ़ा प्रचारक प्रचार कर रहा था, जिसका नाम एलीशा था। वह वहां पहुंचा और राष्ट्र को देखा और उसने कहा, "मैं आपको बताता हूं, जो मैंने कभी देखा बहुत ही भयानक था।"

74 एक पुराने राजा ने जाकर उस छोटी रंगी हुई इजाबेल से विवाह कर लिया, उसके चेहरे पर काफी रंग था कि बने... बाईबल में केवल एक स्त्री थी जिसने कभी अपना मुख रंगा। और आप जानते है कि परमेश्वर ने उसके साथ क्या किया? परमेश्वर ने उसे कुत्तों को खिला दिया। मैं केवल ऐसे ही जानता हूं।

75 आप एक महिला को उसके मुंह पर बहुत सारे रंग के साथ देखते है, आप जानते है कि आप उसे क्या कह सकते है? कहिए, "कुमारी, कुत्ते के भोजन!" वह यही है, कुत्ते के भोजन के समान। ओह, प्रभु! सुनिए, भाई, मैं अभी अफ्रीका से वापस आया हूं। यह चीज मूर्तीपूजको में से आई है। मूर्ती पूजक स्वयं को रंगते है।

76 ओह, भाई, जब कोई पुरुष या महिला स्वयं को परमेश्वर के साथ सही बनाता है, आपको उन्हें बताना नहीं है; कि स्वयं पर लज्जित हुए है। हाल्लेलुय्या! यह ठीक बात है।

77 "लड़के पहली बात जो तुम जानते हो, वह सारे इस्राएलियो से यह करवा लेगी।" एलिय्याह ने कहा, "प्रभु ने आकाश बंद किया। इसके विषय में कुछ करो।"

78 परमेश्वर बोला, कहा, "अब, एलिय्याह, तुझे बताता हूं कि क्या करना है, जाकर और आहाब से बात कर।"

79 और यहां पुराना प्रचारक आता है, वहां से चलता हुआ, इस प्रकार से, बड़ा सा भेड़ की खाल का टुकड़ा लपेटे हुए है, चेहरा दाढ़ी से खुरदरा है जैसे कि बालों वाला कीड़ा। राजा के सामने गया और कहा, "यहां तक कि ओस भी ना पुकारेगी... याने गिरेगी जब तक मैं उसे ना बुलाऊं।" हाल्लेलुय्या! वह परमेश्वर के दिए गए मार्ग में था। जी हां, श्रीमान।

80 "ओह, तू कट्टरपंथी यहां से दूर हो जा। ठीक है, हम जानते है, हम क्या कर रहे है।"

81 बूढ़े एलिय्याह ने कहा, "प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए? आपने बाकी मार्ग पहले से दिया है। मैंने यह कर दिया है।"

कहा, "क्रेत के सोते के पास पहुंच जा और बैठ जा।"

82 "ठीक है, एक बहुत खराब स्थान, परंतु मैं जाकर बैठ जाऊंगा। तू ने कहा है कि, 'वहां जा।' यदि तेरा मार्ग वहां जाता है, तो मैं वहां तक जाऊंगा।"

83 जा और बैठ जा, कहा, "प्रभु, अब, मैं यहां क्या करने जा रहा हूं? "

"वहीं बैठ। थोड़ा वहां ठहर।"

84 और पहली बात जो आप जानते है, उसे भूख लगने लगी। उसने कहा, "प्रभु, मुझे भूख लग रही है।" और एक कौवा वहां आया।

85 उनमें से कुछ ने कहा, "उस पवित्र शोर मचाने वाले प्रचारक को देखो, वहां पहाड़ पर बैठा हुआ है। क्यों, वह पागल नहीं है! अरे, वह वहां धूप में बैठा है, मर जाएगा। वह कट्टरपंथी है।"

86 और पहली बात आप जानते हैं कि सारा पानी सूख चुका। पीने के लिए कोई पानी नहीं है, उस देश में—में। परंतु हर बार एलिय्याह पानी पीना चाहा, वह क्रेत के नाले में झुका और पीया। तब जब उसे भूख लगी, तो कौवा अपने मुंह में टुकड़ा रोटी लेकर आया, कहा, "एलिय्याह, तू यहां है।"

87 आप कहते है, "कौवे को कहां से मिला... ? आपका अर्थ है, भाई ब्रन्हम आप विश्वास करते हैं? " जी हां, श्रीमान। जी हां, श्रीमान। "आपका अर्थ है कि कौवा एलिय्याह के लिए साढ़े तीन वर्षों तक कुछ खाने के लिए लाता रहा? " मैं इसका विश्वास करता हूं। कहते है, "उसे यह कहां से मिला? मैं नहीं जानता। केवल मैं एक बात जानता हूं कि कौवे को कहीं से

मिला, वह एलिय्याह के पास लाया, और एलिय्याह उसे खाकर जीवित रहा साढ़े तीन वर्षों तक। यह ठीक बात है। मैं इसका विश्वास करता हूं।

88 यह वही बात है उस विषय में... आप कहते है जो कि, "आपको आनन्दित करता है? यही है जो आपके हाथों को हिलाता है? " मुझे मुझे नहीं मालूम। मैं केवल एक बात जानता हूं, कि कलवरी ने इसका भुगतान कर दिया, बाईबल ने यह सिखाया पवित्र आत्मा इसे लाया, मैंने इसे पाया। हाल्लेलुय्या! मैं यह भी नहीं जानता कि यह कहां से आया, परंतु मैंने इसे पाया। हाल्लेलुय्या! यह ठीक बात है। मैं आपको नहीं बता सकता कि यह कहां से आया, परंतु यह वहां पहुंचा। ओह, प्रभु! यही आपके मामले को ठीक प्रकार से बैठाता है। निश्चय ही। हाल्लेलुय्या! उत्तेजित ना हो। इसका अर्थ है "परमेश्वर की महिमा हो।" *आमीन!* जिसका अर्थ है, "ऐसा ही हो।" ओह, प्रभु! निश्चय ही, ऐसा है। मैं नहीं जानता...

89 और उन्होंने कहा, वह पागल था, वहां बैठा हुआ है? ओह! आओ... समय आया की खाए, यह काले रंग का कुली आया कहा, "एलिय्याह, तू यहां है। तुम्हारा नाश्ता यह रहा।" क्यों, आज रात्रि वह आधे से अधिक लोगों से अच्छा है। मैं यहां कल्पना करता हूं आज रात्रि यहां पर बहुत से है जिनके पास काले सेवक है। कुछ कौवे, उनके लिए खाने को हर रंगने के समय कुछ खाने को लाते है। हाल्लेलुय्या! महिमा हो! परमेश्वर का कहीं खाने का स्थान था; उसने यह तय कर दिया, इसे पकाया, उसके पास भेजा। हाल्लेलुय्या! वही परमेश्वर आज जीवित और राज्य करता है।

90 वह अपने दिए गए मार्ग पर ही स्थिर रहा। परमेश्वर ने कहा, "वहां जा और बैठ जा, " उसने वही किया। वह केवल यही करना जानता था। आप इसके विषय में क्या सोचते हैं, विश्वास कीजिए कि यह सत्य है? यह है। आमीन। जी हां, श्रीमान।

91 एक दिन एक छोटी लड़की सड़क पर जा रही थी, और उसने कहा... अंतत:, एक ने कहा... "ओह, हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या!" उसे तब ही पवित्र आत्मा मिला था।

92 इस प्रकार से वह बूढा विधर्मी कोने में बैठा था, कहा, "आप क्यों इतने आनन्दित है, यूवा से? "

93 कहा, "यीशु ने मुझे हाल ही में बचाया है और मुझे पवित्र आत्मा से भरा है।" कहा, "मैं बहुत ही आनंदित हूं।"

कहा, "देखो तुम्हारे हाथ में क्या है? "

कहा, "मेरी बाईबल।"

कहा, "क्या तुम इस पर विश्वास करते हो? "

"निश्चय ही।"

कहा, "क्या तुम इस सब पर विश्वास करते हो? "

"हां।"

कहा, "क्या तुम पर विश्वास करते हो कि व्हेल ने मनुष्य को निगल लिया? "

"हां।"

94 कहा, "क्या तुम इस पर विश्वास करते हो कि व्हेल ने मनुष्य को निगल लिया? "

"हां, श्रीमान। मैं इसका विश्वास करता हूं।"

95 कहा, "क्या तुम इसे कैसे सिद्ध करोगे सिवाये विश्वास के? "

96 उसने कहा, "अच्छा, जब मैं स्वर्ग को जाऊंगा तो मैं भाई योना से पूछूंगा।"

97 विधर्मी ने उससे कहा, "क्या होगा यदि योना स्वर्ग में नहीं हुआ? "

98 कहा कि, "तब आपको उससे पूछना पड़ेगा।" हाल्लेलुय्या! उसके लिए केवल एक स्थान बचा है, वह है नर्क।

99 यदि आप परमेश्वर के मार्ग को अस्वीकार करते है, आपको नर्क में जाना पड़ेगा आपको जाना ही पड़ेगा। आपको जाना पड़ेगा। यही वह दूसरा मार्ग है। इसलिए आप इस मार्ग में है या फिर दूसरे में। आमीन। ठीक है।

100 मैं उसे वहां बैठा हुआ देख सकता हूं, और कौवे उसके खाने के लिए कुछ लाते है।

101 वापस वहीं जाते है। वह एक दिन पहाड़ से नीचे गया। और परमेश्वर ने कहा, "अब सोता सूख गया। मैं चाहता हूं कि तू विधवा के घर जा।" एक प्रचारक के जाने के लिए क्या ही स्थान है! परमेश्वर ने उसे जाने को कहा। वही दिया गया मार्ग है। वह वहां पर गया। और वह ना तो इस्राएली थी। नहीं, वह नहीं थी। और वह वहां वापस गई... और पहाड़ से नीचे गया।

102 और जैसे ही वह पहाड़ से नीचे गया, वह वहां मैदान में खड़ी हुयी विधवा से मिला, अपनी लकड़ियों को तोड़ कर जमा कर रही थी। कहा, "जा और मेरे खाने के लिए कुछ ला, और मेरे पीने के लिए पानी ला।"

103 उसने कहा, "जैसे कि जीवित प्रभु, और तेरा प्राण कभी ना छूटेगा, मेरे पास घर में इतना ही आटा है कि मैं अपने लड़के के लिए रोटी बनाऊं। मैं दो लकड़ियां ले जा रही हूं ताकि रोटी को बनाऊं, और वह और मैं खाए और मर जाए।"

104 कहा, "जाकर, पहले, मेरे लिए थोड़ा सा पानी ले आ और रोटी पका और उसे मेरे पास ले आ।" हाल्लेलुय्या!

105 वह क्या करने जा रही है? परमेश्वर का एक दिया गया मार्ग है। "पहले परमेश्वर के राज्य की खोज करो और उसके धर्म की।"

106 आप कहते है, "भाई बिल, मेरी मां घर से भाग गई है। मेरा पति मेरे साथ नहीं रहेगा।"

107 "पहले परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो," हाल्लेलुय्या, "सारी दूसरी चीजें मिल जाएगी।" यह ठीक बात है।

108 "भाई बिल, मैं कैसे करूंगा?" केवल आगे बढ़े और इसे करें। यीशु ने कहा, "मेरे पीछे आओ।" यह ठीक बात है। अपनी दृष्टि एक निशाने पर रखो। ठीक है।

109 और पहली बात आप जानते हैं, वह भीतर जाती है, और वह यह दो लकड़ियां लेकर उन्हें तोड़ती है। आप जानते है कि कैसे वे पुराने इन्डियनस की लकड़ी तोड़ने की विधि है? वह एक क्रूस थी, यह ठीक है। और उसे वे उस एक के ऊपर एक लकड़ी रख कर बीच में आग जलाते है। वही आग जलती है, वह रोटी बनाने की भट्टी।

110 उस सिकी रोटी को बाहर निकालकर इसे प्रचारक को को दें, और उसने वहां खड़े होकर उसे खाया। कहा, "अब वापस जा और एक अपने लिए ले और अपने... पुत्र के लिए। क्योंकि, **यहोवा यों कहता है,** बर्तन खाली ना होगा, या कुप्पी सूखेगी, जब तक परमेश्वर पृथ्वी पर वर्षा को ना भेजें।" हाल्लेलुय्या!

111 क्या? क्योंकि उसने पहले परमेश्वर के राज्य की खोज की, क्योंकि वह पहले परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर चली, परमेश्वर ने उसे पुरुस्कृत

किया। क्या आप इसका विश्वास नहीं करते? [सभा "आमीन।" कहती है—सम्पा।] हां, श्रीमान।

112 एक महिला थी जिसने एक बार अपना भाई खो दिया। उसका नाम लाजर था। ओह, वह अच्छा लड़का था; वह उसे छोड़ना नहीं चाहती थी। और वह मर गया। उसने अपने पास्टर को बुलवाया, या सुसमाचार फैलाने वाले को, जो कि यीशु था। वह कलिसिया से बाहर निकल कर आई थी, और जो उसके पास था उसने सब दे दिया। और उसने यीशु को बुलवाया की आकर, प्रार्थना करें, और वह बस चलता रहा। फिर भेजा, और उसने चिंता ना की। उसने कहा, "जब तक मुझे पता ही ना दिखाएं मैं कुछ नहीं करता।" पिता ने उसे पहले ही दिखा दिया कि लाजर मरने वाला था।

113 और वह कुछ समय पश्चात आया, लगभग तीन या चार दिन के पश्चात। उसने कहा, "लाजर मर गया है, और मैं तुम्हारे कारण प्रसन्न हूं कि मैं वहां नहीं था। परंतु मैं उसे जगाने जाता हूं।"

114 इसलिए तब उसने सुना कि यीशु आ रहा था, इसलिए वह उससे मिलने को बाहर गई।

115 यह परमेश्वर द्वारा दिखाया गया मार्ग है, जाकर यीशु से मिलो। यह ठीक बात है, हमेशा। जब आपके घर में दु:ख हो, तो जाकर यीशु से मिलो। घर में बीमारी है, जाकर यीशु से मिलो। आपके घर में ह्रदय रोग है, जाकर यीशु से मिलो। हाल्लेलुय्या! यदि आपकी कोई आवश्यकता है तो जाकर, यीशु से मिले। जाकर उससे मिले। उसके पास सारे उपाय है। वहां सब है, उसके पास उपाय नहीं, उसके पास चंगाई है। आमीन।

फिर वह उससे मिलने गई, और वह उसके चरणों पर गिर पड़ी।

116 और उसने एक बार एक कहानी पढ़ी थी, बाईबल में, जहां एक स्त्री थी, और एक शुनेमिन। वह एलीशा नामक प्रचारक के विषय में बहुत गंभीर थी। इसलिए उसने अपने घर की एक ओर उसके लिए कोठरी बनाई, एक पलंग और एक चिराग और एक स्टूल, आदि–आदि रख दिया। और एलीशा आया और उसने यह सब भलाई देखी जो उसने प्रचारक के लिए की थी, अपने दशमांश दिए और सब कुछ आप जानते है। इसलिए उसने कहा, "जाकर पूछ कि हम उसके लिए क्या कर सकते है, यदि मैं राजा से बात करूं या सेनापति से।"

117 उसने कहा, "मैं अपने लोगों के साथ रहती हूं और सब कुछ ठीक है।"

कहा, "ठीक है, जा कर पूछ मैं उसके लिए क्या कर सकता हूं।" गेहजी ने कहा, "वह बांझ है। उसके पास कोई बालक नहीं है।"

118 कहां, "जाकर उसे बता **यहोवा यों कहता है** 'वर्ष के लगभग इसी समय में, जीवन के अनुसार, कि वह एक पुत्र प्राप्त करेगी।'" और उसने किया।

119 बालक लगभग ग्यारह या बारह वर्ष का हो गया। एक दिन, दोपहर के समय वह अपने पिता के साथ खेत में था, मैं विश्वास करता हूं कि उसको लू लगी। वह चिल्लाने लगा, "मेरा सिर! मेरा सिर!" उसने उस बालक को एक सेवक के संग भेजा, छोटे लड़के के संग। उसे उसकी मां की गोद में लिटाया। दोपहर में वह मर गया।

120 कितना उपयुक्त स्थान! उसने उसे लेकर और प्रचारक के पलंग पर लिटा दिया, जहां भविष्यवक्ता लेटा था। जाने के लिए अच्छा स्थान। वही प्रचारक के पलंग पर लिटा दिया।

121 उसने कहा, "मुझे एक खच्चर तैयार करके दो और आगे चलो, और अपनी सवारी को मत रोकना जब तक मैं ना कहूं कि तू रुक।"

122 मैं यह पसंद करता हूं। आगे बढ़ो और रुको मत! बस बढ़ते जाओ। यह ठीक बात है।

123 परेशानी यह है, कि हम रुक कर और बहुत से लोगों से बात करते है। हम बहुत से सामाजिक सभाओं के लिए रुकते है। हमारे पास बहुत सिलाई और सिलाई है, और एक सिलाई पार्टी का आयोजन करें, आप जानते है, कुमारी *अमुक–और–अमुक* की बातें। *आप* जानते है कि यह कैसे–कैसे है। यह सारी विभिन्न बातें कलीसिया में आती है। जबकि, आपको यह सारी बातें नाली में फेंक देनी चाहिए और पुराने तरीके का, परमेश्वर द्वारा भेजी गई बेदारी होनी चाहिए; प्रार्थना करते रहो, जब तक आप वापस ना आ जाओ, स्वर्ग नीचा है और पवित्र आत्मा जोरदार आंधी के शब्द के साथ आता है और स्थान और लोगों को भर देता है। आमीन। आज हमें इसी की आवश्यकता है।

उसने कहा, "तू रुकना मत।"

124 और उसके पति ने कहा, "वह व्यक्ति क्रामेल पर नहीं है" कहा, "यह ना तो नया चांद या सब्त है।"

125 उसने कहा, "सब ठीक है।" वह भविष्यवक्ता के पास पहुंचना चाहती थी। इसलिए वह सीधी–सीधी चली।

126 एलीशा ने बाहर देख कर कहा, "देखो शुनेमिन आ रही है। उसके साथ कुछ गड़बड़ है; मैं नहीं जानता कि वह क्या बात है।"

127 वह दौडी। और उसने कहा, "क्या तेरे साथ सब कुशल है और तेरा पति, तेरा बालक? "

128 उसने कहा, "सब कुशल है।" मुझे यह अच्छा लगता है। उसने परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग ले लिया। कहा, "अब सब ठीक हो गया।" और तब उसने प्रकट करना आरंभ किया।

129 उसने एलिय्याह को बताया, कहा, "जा, मेरी घड़ी ले कर रख... " या, गेहजी को बता, "जा मेरी छड़ी लेकर और उस बालक पर रख दे।"

130 परंतु उसने कहा, "मैं तुझे नहीं छोडूंगी।" इसलिए भविष्यवक्ता ने घूम कर प्रार्थना की, कमरे में इधर–उधर चलने लगा, अपने शरीर को उस पूरे मरे हुए बालक पर डाल दिया, और वह जीवित हो गया।

131 उस महिला, मार्था ने, जान लिया कि शुनेमिन ने अनुभव किया कि परमेश्वर अपने भविष्यव्यक्ता के अंदर था। और यदि परमेश्वर अपने भविष्यव्यक्ता में था, तो निश्चय ही परमेश्वर अपने पुत्र में था। इसलिए यदि वह यीशु के पास आ सकती थी, तो उसके पास उपाय होगा। वह दौड़ी और उसके पैरों पर गिर पड़ी। उसने कहा, "प्रभु यदि... " वह यही था। "प्रभु, यदि तू यहां पर होता तो मेरा भाई ना मरता। परंतु, अब भी, तू जो भी परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर उसे करेगा।" ओह, मुझे यह अच्छा लगता है। "अब भी, जो तू परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर उसे करेगा।"

132 आज रात्रि यह अच्छा है। आप कहते है, "भाई ब्रन्हम मैं पापी हूं।" तब भी, आप जो भी परमेश्वर से मांगेंगे, परमेश्वर उसे करेगा। "मुझ एक पापी, पर दया करें, " और वह करेगा। यदि आप रोगी है, "प्रभु, मुझ पर दया करें, " और वह अब भी करेगा। आप कहते है, "डॉक्टर ने मुझे छोड़ दिया है; परंतु, फिर भी, प्रभु! मैं पांच वर्षों में नहीं चला; परंतु, अब भी, प्रभु! मैंने कुछ नहीं सुना, क्योंकि मैं नहीं जानता; प्रभु, अब भी। मैंने एक शब्द भी नहीं बोला. मैं आपको नहीं बता सकता कब, परंतु अब भी, प्रभु।" जो भी तू परमेश्वर से मांगेगा, और वह पिता के दाहिने हाथ बैठा है, आपके स्वीकार कर लेने पर बिचवाई करता है। हाल्लेलुय्या!

कहा, "अब भी तू, परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर करेगा।"

133 उसने अपने छोटेपन को सीधा किया, कहा, "तेरा भाई फिर जीवित हो जाएगा।

134 कहा, "ओह, हां, प्रभु, अंतिम दिन उस साधारण पुनरुत्थान में, वह फिर जी उठेगा।"

उसने कहा, "जीवन और पुनरुत्थान मैं हूं।" ओह, प्रभु!

135 बाईबल ने कहा, "देखने के लिए उसमें कोई सुंदरता नहीं थी, छोटा दुबला दिखने वाला व्यक्ति।" परंतु उसने कहा... जब उसने स्वयं को सीधा किया, तो वहां परमेश्वर था।

136 उसने कहा, "अब तेरा भाई फिर जी उठेगा।" कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं," परमेश्वर ने कहा। "वह जो मुझ में विश्वास करता है, यदपि वह मर भी जाए तो भी वह जीएगा। जो कोई जीवत है और मुझ में विश्वास करता है वो कभी नहीं मरेगा। क्या तू इसका विश्वास करती है? "

137 उसने कहा, "हां, प्रभु। मैं विश्वास करती हूं कि तू परमेश्वर का पुत्र है जिसे इस जगत में आना था"

138 कहा, "तुमने उसे कहां रखा है? " यहां वह कब्र की ओर चलना आरंभ करता है। यीशु रोया।

139 अधिक समय नहीं हुआ एक महिला ने मुझे बताया... एक सभ्य महिला, एक क्रिश्चियन सायंस जो यह विश्वास नहीं करते कि यीशु... और देवत्व। उसने विश्वास किया कि वह भविष्यवक्ता था। उसने विश्वास किया कि वह एक भला मनुष्य था, परंतु वह नहीं था वह कुंवारी से जन्मा हुआ नहीं था। वे कुंवारी के जन्म का इन्कार करते है।

140 केवल इतना ही नहीं, परंतु संयुक्त राज्य में एक सर्वेक्षण से प्रगट हुआ कि पचासी प्रतिशत प्रोटेस्टेंट प्रचारक दावा करते है कि कुंवारी से जन्म की बात झूठी थी। ठीक। मैं सरलता से यह कर सकता हूं, मैं सरलता से सोच सकता हूं कि जिस प्रकार से आप लोग जीवन जी रहे है। यह बिल्कुल सत्य है, यह विश्वास किया कि यह एक झूठ था। और इससे अधिक प्रतिशत उनका था जिन्होंने यह विश्वास किया है कि यीशु प्रगट रूप में फिर वापस नहीं आएगा। कोई आश्चर्य नहीं कि हमें बेदारी की आवश्यकता है!

141 भाई, इधर सुनिए। आप बेदारी के विषय में आज बहुत सुनते है। हमारे यहां कभी बेदारी नहीं हुई।

142 मैं यहां अधिक समय नहीं हुआ दूसरे व्यक्ति के पीछे–पीछे रहा, जो इस विषय में बहुत सी बातें करते है। कहा, "वह एक नगर में गया उसके पांच हज़ार मत परिवर्तन हुए।" हम उसके पीछे–पीछे गए, (मैं नहीं) सेवकों का एक दल और कार्ड लिए, और उनके पास फिर से संबंध स्थापित किया, और तीस दिन के समय में, वे तीस भी ना पा सके जिन्होंने बच जाने का दावा किया था। आप जानते है मैंने क्या सोचा? मैंने सोचा ये तो बजाये मत परिवर्तन के दोषी ठहराना है, जब एक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा से नया जन्म प्राप्त करता है।

143 आज हमें लंबी खीचने वाली सभाये नहीं चाहिए, परंतु पुराने रिवाज वाली, परमेश्वर द्वारा भेज गई, पवित्र आत्मा की बेदारी; एक पुराने समय का नीला आकाश, पाप मारने वाला, लहू से धुला हुआ धर्म। आमीन। पुराने वाले औजार लेकर वापस और प्राश्चित करें। यह ठीक बात है।

144 उसने कहा, तब उसने कहा, "तो, भाई ब्रन्हम, सुनिए, मैं यह आपको सिद्ध कर सकती हूं कि वह कुछ नहीं केवल एक मनुष्य था।"

145 मैंने कहा, "करिए। यदि आप मुझे यह सिद्ध कर सकती है कि वह परमेश्वर नहीं था, तो मैं इसे स्वीकार कर लूंगा।"

146 उसने कहा, "नहीं वह दिव्य नहीं था। वह केवल एक मनुष्य था। और मैं यह बाईबल से सिद्ध कर सकती हूं, कि वह केवल एक मनुष्य था।"

147 मैंने कहा, "यदि आप इसे बाईबल से सिद्ध कर देगी, तो मैं इसे स्वीकार कर लूंगा।" उसने कहा, "क्या आप तैयार हैं? " मैंने कहा, "मैं हूं।"

148 उसने कहा, "जब यूहन्ना 11 में वह गया, जब वह लाजर की कब्र पर गया, वह रोया।"

मैंने कहा, "इसका इससे क्या मतलब? "

149 उसने कहा, "क्यों, इससे सिद्ध होता है कि वह कुछ नहीं केवल एक मनुष्य था, वह रो रहा था।"

150 मैंने कहा, "महिला, इधर सुनिए। सच है, वह एक मनुष्य था, परंतु वह एक मनुष्य से बढ़कर था। वह परमेश्वर मनुष्य था।"

151 परमेश्वर मसीह में होकर, संसार को फिर से अपने में मिला रहा था। जी हां, श्रीमान। वह पिता की इच्छा पूरी करने को आया। वह परमेश्वर के द्वारा दिए गए मार्ग पर चला। उसने कभी भी दाहिने या बाए नहीं देखा। उसने वही किया जो परमेश्वर ने करने को कहा। वह परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग था।

152 और लाजर के पास जाते हुए, वह रोया। जब वह रो रहा था तब वह एक मनुष्य था।

153 परंतु जब वह कब्र के पास जाकर खड़ा हुआ, जहां पर चार दिन से एक मनुष्य मरा हुआ पड़ा था; और खाल के कीड़े अंदर से बाहर आ जा रहे थे, और चारों ओर दुर्गंध थी; जब उसने कहा, "लाजर, बाहर आ," एक व्यक्ति जो चार दिन से मरा हुआ है, अपने पैरों पर खड़ा हो गया और फिर से जीवित हो गया। वह मनुष्य से बढ़कर था। हाल्लेलुय्या! जी हां, श्रीमान। वह मनुष्य था जो रो रहा था, परंतु पुनरुत्थान में वह परमेश्वर था।

154 वह मनुष्य था जब वह उस रात के बाद पहाड़ पर से भूखा उतरा, चारों ओर देखा, पेड़ों पर की कुछ खाने को मिले। जब वह भूखा था तो वह एक मनुष्य था।

155 परन्तु जब उसने पांच रोटियां और छोटे टुकड़े मछली के लिए, और पांच हजार लोगों को खिलाया, तो वह मनुष्य से बढ़कर था। वह परमेश्वर देह में था। हाल्लेलुय्या!

156 उस रात्रि जब वह नाव में लेटा था वह एक मनुष्य था, जब गुण उसके वस्त्र में से निकला; जब तक कि वह इतना दुर्बल था, जब तक एक सामर्थ भरा समुद्र गर्जा रहा था, समुद्र के दस हजार प्रेतों ने शपथ खाई की वे इसे डूबा देंगे उस रात्रि; जब वह छोटी नाव बोतल की डाट के समान भयानक समुद्र में उछल रही थी। मैं जानता हूं कि वह एक मनुष्य था, जब वह वहां लेटा हुआ सो रहा था, परंतु जब उन्होंने कहा, "तू चिंता नहीं करता कि हम नष्ट हुए जा रहे है?"

157 उसने अपना पांव नाव की किनारी पर रखा, और कहा, "शांत, और थम जा," और वहां एक शांति थी। वह एक मनुष्य से बढ़ कर था। हाल्लेलुय्या! वह मेरा परमेश्वर था। हाल्लेलुय्या! ठीक है, वह था; वास्तव में वह है।

158 जब वह कलवरी पर लटका हुआ था वह एक मनुष्य था, जब उन्होंने उसे महान श्रद्धांजलि दी जो उन्होंने कभी नहीं दी। जब उन्होंने कहा, "इसने दूसरों को बचाया, यह स्वयं को नहीं बचा सका।" कितनी शानदार श्रद्धांजलि, या शुभकामना, उन्होंने उसे दी। यदि इसने औरो को बचाया और स्वयं को, वह औरो को नहीं बचा सका। इसलिए उसे औरों को बचाने के लिए स्वयं को देना था। जब वह अनुग्रह के लिए चिल्लाया वह मनुष्य था, जब उसने कहा, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? " वह एक मनुष्य के समान मरा। जी हां।

159 परंतु जब वह ईस्टर की प्रात: जी उठा, उसने सिद्ध कर दिया कि वह परमेश्वर था। कोई आश्चर्य नहीं की भविष्यवक्ता ने कहा:

> जीते हुए, उसने मुझसे प्रेम किया; मरते हुए, उसने मुझे बचाया;
> गढ़कर, उसने मेरे पाप मुझसे दूर कर दिए;
> जी उठ कर, उसने हमेशा के लिए धर्मी करके आजाद कर दिया;
> किसी दिन वो आ रहा है, ओह महिमामय दिन!

160 हाल्लेलुय्या! मैं उससे प्रेम करता हूं। क्या आप नहीं करते? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] परमेश्वर के दिए गए मार्ग पर चले।

161 मैं कुछ बुद्धि मनुष्यो को देख सकता हूं, एक बार उसके जन्म पर आ रहे थे, कि उसकी आराधना करें। मैं उन्हें तैयार होते हुए देख सकता हूं। वे अपने ऊँटो को तैयार कर रहा है।

162 मैं जिम जोन्स और बाकी सब ओर जोन डो को देख सकता हूं कि तैयार हो रहे है। मैं उन्हें देख सकता हूं कि कार्डों की टेबल रख रहे है, यहाँ *इस* तरह से तैयार किया गया है, और वे सब चीजें रख रहे है, और वे यीशु की आराधना करने जा रहे हैं। वे ढूंढने आए, जब वे वहां पहुंचे निर्णय किया कि बूढ़े ऊँट चल नहीं सकते।

163 आज कलीसिया के साथ यही मामला है। आपने इसके साथ संसार को बहुत मिला दिया है, यह आपको वापस घुमा देते है। यह ठीक बात है।

164 मैं उन्हें इस प्रकार आरंभ होते हुए देख सकता हूं। और वे सब वे पहाड़ की एक ओर पहुंचते हैं, वे वहां से निकल भी नहीं सकते, क्योंकि,

"सीधा है वह मार्ग और सकरा है वह रास्ता, परंतु थोड़े ही उसे पाएंगे।" जी हां, श्रीमान।

165 मैं बूढ़े व्यक्ति को तैयारी करते देख सकते हैं वह स्वयं को हल्का कर रहे हैं, क्योंकि, "मैं स्वर्ग को जाने को तैयारी कर रहा हूं।"

166 भाई, मैं स्वर्ग जाने की तैयारी में बांध नहीं रहा हूं। मैं स्वर्ग में जाने के लिए खोल रहा हूं। हाल्लेलुय्या! जब, स्वर्ग पर उठाया जाना हर चीज को काट कर खोल दो। बाईबल ने कहा, "आओ हम हर बोझ को एक ओर उतार दे, और पाप जो मुझे सरलता से बेचैन कर देता है, ताकि हम इस दौड़ को धैर्य से दौड़ सके।"

167 मैं देख सकता हूं कि बूढ़ा व्यक्ति जा रहा है, देखिए। मैं उसकी पत्नी को आसपास देख सकता हूं, कहे, "जॉन, लड़के क्या मामला है? तुम कहां जा रहे हो? "

कहा, "मैं प्रभु की आराधना करने जा रहा हूं।"

"आप कैसे जानते हैं कि आप जा रहे हैं? "

"भाई, मैं जा रहा हूं।"

168 "अरे, तुम्हारे पास तो दिशा सूचक भी नहीं है। तुम्हारे पास तो सेवकाई का लाइसेंस भी नहीं है। संसार में तुम्हारे साथ क्या मामला है? क्या वे तुम्हें ग्रहण करेंगे? तुम प्रभु की आराधना करने जा रहे हो? "

"हां।"

"अपना दिशा सूचक यंत्र ले लो।"

"नहीं, मुझे इसकी आवश्यकता नहीं है।"

"आवश्यकता नहीं है? तो तुम वहां कैसे पहुंचने जा रहे हो? "

169 मैं उसे भोर के तारे की ओर संकेत करते देख सकता हूं, कहता है, "मैं परमेश्वर के दिए गए मार्ग से जा रहा हूं।" आमीन। परमेश्वर ने बुद्धिमान व्यक्ति की अगुवाई के लिए सितारा दिया। उन्हें दिशा सूचक की आवश्यकता नहीं। उन्हें परमेश्वर द्वारा दिए गए मार्ग की आवश्यकता है, वह सितारा। महिमा हो!

170 और वही परमेश्वर जो बुद्धिमान व्यक्ति को मसीह तक ले गया, सितारे के द्वारा, वह यहां आज रात्रि पवित्र आत्मा के रूप में है, कि आपको मसीह तक ले जाए, नया जन्म पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जो कि परमेश्वर द्वारा

दिया गया मार्ग है। "जब तक मनुष्य जल से और आत्मा से ना जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य को देख भी नहीं सकता।" पुरुषों और महिलाओं क्या तुमने इसे पाया?

171 मेरा समय पूरा हुआ। ओह, प्रभु, मुझे उसमें भीतर जाना है प्रतीत हो रहा है। मेरे हाथ नीचे पेन्ट की जेबों में डाल दो, और उत्तेजित बूढ़े प्रचारक के समान प्रचार करने दो। क्यों? मैं इसे पसंद करता हूं। "लड़के, क्या तुम आईसक्रीम खाना चाहते हो," परंतु तुम्हें कुछ नमकीन सूअर का मांस और सेम अपने पास रखना होगा। हमारे कुछ खाने के लिए आप मसाला लगाए। हमें इसी की आवश्यकता है। क्या आप विश्वास नहीं करते? [सभा, "आमीन।"—सम्पा।] सत्य है।

172 परमेश्वर के पास देने का मार्ग है। क्या आप आज रात्रि इसमें है? क्या जब से आपने विश्वास किया है पवित्र आत्मा पाया? अब आप मेरे बैपटिस्ट मित्रो और जानते हैं कि मैं सम्बधिंत हूं... मैं बैपटिस्ट था, और यहां मेरा पास्टर बैपटिस्ट है। परंतु मैं आपको कुछ बताना चाहता हूं। प्रेरित 19 कहता है, "क्या जब से तुमने विश्वास किया पवित्र आत्मा पाया?" ना की *जब* आपने विश्वास किया. परंतु "जब से" विश्वास किया। जी हां, श्रीमान। यदि आपने नहीं पाया, तो आज रात्रि यह आपके लिए है। परमेश्वर का दिया हुआ एक मार्ग।

173 भाई, बहन, अपने तरह से प्रयत्न ना करें। अंजीर के पत्तों में ना जाए लठठो पर होकर ना तेरे। जैसे कि उन्होंने यत्न किया उस बाढ़ के विनाश में। आदम ने जैसे किया अंजीर के पत्ते ना पहने। नबूकदनजर वाले मार्ग से यत्न ना करें, कि परमेश्वर की कलीसिया को कष्ट दे। उन सारे विभिन्न मार्गो से होकर यत्न ना करें, यह रूप और मार्ग जोकि बहुत सो को हम उल्लेख कर सकते है।

174 फरीसियो ने जैसा किया वैसा ना करें, बहुत ही धार्मिक व्यक्ति, कहा, "अब यहां देखें हम ऊंचे स्थानों में है। यदि कुछ घटित हो रहा है, हम उसके विषय में सब जान जाएंगे।"

175 और परमेश्वर वहां पहुंच गया, और बेतलहम की चरनी में जन्मा, उसे नीचे संसार में ले गया; और संसार से फांसी की सजा; और वे इस विषय में कुछ नहीं जान पाए। ठीक है! परमेश्वर को दिया गया मार्ग।

176 ओह, एक बार एक महिला थी उसने, जितने उसके पैसे थे खर्च कर दिए। हाल्लेलुय्या! डॉक्टर उसकी कोई भलाई ना कर सके। और एक दिन वह बेहोश होने को थी। उसे बहुत वर्षों से लहू बहने का रोग था। और एक दिन उसने नाव में कुछ शोर सुना। उसने बाहर देखा, तो परमेश्वर के द्वारा दिया गया मार्ग आया था! यह... ? ... ओह, प्रभु!

177 मैं उसे बैपटिस्ट के विशेष ऊँचे लोगों के पास आते देख सकता हूं। "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गये।" वह सीधी उनकी टांगों के बीच में से घुसती है। उन्हें हटना था।

178 मैं उसे ब्रिंगहम यंग के पास आते देखता हूं और उसकी सारी पत्नियां; वह पास से होकर निकल गई। उसने क्या कहा?

179 मैं उन्हें कहते हुए सुनता हूं, "वहीं रुको, तुम कहां जा रही हो, वह डॉक्टर आपके लिए कुछ अच्छा नहीं कर सकता? तो फिर तुम कहां जा रहे हो? मैं तुम्हें वहां बहते हुए लहू के साथ देखता हूं।"

उसने कहा, "मैं परमेश्वर के द्वारा दिए गए मार्ग पर जा रही हूं।"

180 "यह कहां पर है? तुम्हारा अर्थ वहां उस ढोंगी से तो नहीं? "

"वहीं जहां पर यह है। मैं वहीं जा रही हूं।"

181 वह जब तक इस व्यक्ति तक वहां नहीं पहुंची, वह चारों ओर से दब गई थी। और वह— *इस* प्रकार की कलीसिया से संबंधित है, *यह* और *वह* और उन्होंने उसे वापस धक्का देने का यत्न किया। परंतु उसने अपना मार्ग यीशु तक बना लिया।

182 उनमें से कुछ ने कहा, "बहन, जरा एक मिनट रुको। यदि आप मांस खाती है, तो आप यह नहीं कर सकती।" वह तो परमेश्वर के द्वारा दिए गए मार्ग पर जा रही थी।

183 "यदि आप ने सर्प नहीं लिया है, तो आप इसे नहीं कर सकती।" वह परमेश्वर द्वारा दिए गए मार्ग पर चली गई। वह यीशु के पास पहुँचना चाहती थी। यह ठीक बात है।

184 मैं पुराने नियम के दाऊद के विषय में सोचता हूं। हाल्लेलुय्या! जी हां, श्रीमान। जब उसने कहा वहां है... जहां उसने बात की... उसने कहा, "चखो और देखो कि प्रभु भला है। यह चट्टान के मधु के समान स्वादिष्ट है।" एक पुरानी कहावत मैं प्रयोग करता हूं, पुराने पवित्र वचन के विषय में सोच रहा

हूं वे अपनी बगल में *यहां* लेकर चला करते थे, शहद का एक छोटा सा थैला, पुराने चरवाहे करते थे। और बीमार को देते होंगे... भेड़ जब बीमार हो जाती, तब वे अपने थैले में से शहद निकालते और चूने के पत्थर पर डालते, और बीमार भेड़ को बुलाकर और उस बीमार भेड़ को चट्टान को चाटने देते थे। और जब वह चट्टान पर से शहद चाटती जाती, चट्टान पर से शहद चाटते समय तो वह चूने के पत्थर को भी चाटती। और आप जानते हैं कि क्या हुआ? बीमार भेड़ चंगी हो जाती।

185 भाई, अब यहां देखें। मेरे पास आज रात्रि पूरा भरा हुआ थैला है। और मैं यह बैपटिस्ट कलीसिया में रखने नहीं जा रहा हूं, मैथोडिस्ट कलीसिया, प्रेसबीटेरियन कलिसिया, या पेंटीकोस्टल कलीसिया में। मैं इसे यीशु मसीह पर रखने जा रहा हूं, जहां से यह संबंधित है, और आप बीमार भेड़ इसे चाटती जाये और आप निश्चित ही इसमे से कुछ पायेंगे। हां, श्रीमान। उसे चाटते रहे। उस बूढ़े व्यक्ति के समान जो गाढ़ा गया, और... ? ... उसे चाटे; आप इसे पायेगे।

186 अपनी कलीसिया पर ध्यान ना दें कि वह क्या कहती है। मसीह पर ध्यान दें। उसका अनुकरण करें, क्योंकि उसमें, वह कलीसिया है! मैं देखता हूं, परमेश्वर द्वारा दिए गए मार्ग पर चले। उसने कभी नहीं कहा मैं कि मैंथोडिस्ट दिया गया मार्ग है, ना ही उसने कहा कि बैपटिस्ट, या कोई और कलीसिया। उसने कहा, "मार्ग, सच्चाई और जीवन मैं हूं।"

आप कहते है, "मैं कैसे जानू कि मैं उस में हूं? "

187 "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने उसकी देह में बपतिस्मा लिया।" पहला कुरिन्थियों 12, यह ठीक बात है, परमेश्वर के आधीन...

188 हर चीज जो उसके राज्य में है हमारा है। वह केवल अपने पास चैको की पूरी बड़ी किताब रखता है, और अपने नाम का हस्ताक्षर नीचे करता है, कहता है, "पुत्र, तुम यह रहे। कोई भी तुम्हारी आवश्यकता है, जाओ ले लो।" आमीन।

189 उसे भरने से ना डरो। उसे भरकर और दे दो, कहो, "प्रभु, तेरा धन्यवाद।" हाल्लेलुय्या! वह घटित हो जाएगा।

190 "तुम जो भी चाहो," मरकुस 11:24, "जब तुम प्रार्थना करो, विश्वास करो, कि तुम्हें मिल गया, तुम्हें मिलेगा।"

191 चैक पर हस्ताक्षर करो, कहो, "प्रभु मुझे चंगाई की आवश्यकता है।" उसे फाड़ो, कहो, "प्रभु, मैं यह रहा, मैं यीशु के नाम में चंगाई मांगता हूं।" कहिये, "धन्यवाद, प्रभु," और आगे बढ़ जाए, चंगाई के लिए विश्वास करे। और यह ठीक वापस आता है, जैसे वे कौवे एलिय्याह के पास खाना ले जा रहे थे। यही है वह।

192 कहिये, "मुझे अपने प्राण के उद्धार की आवश्यकता है।" आप क्या करेंगे? बस लिख कर और कहे, "कहा, 'तुम भारी बोझ से दबे हुए लोगों मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।' प्रभु, यह मेरे लिए है।" चैक को भरो। "मुझे उद्धार की आवश्यकता है। प्रभु, मुझे दे दो।"

"यह यहां पर है।"

"प्रभु, आपका धन्यवाद।" इसके साथ चले जाए।

193 पवित्र आत्मा चाहिए? जी हां, श्रीमान। "तुम येरुशलेम नगर में रुके रहो जब तक तुम ऊपर की सामर्थ से ना भर जाओ। इसके बाद पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तुम यरूशलेम में यहूदिया और सामरिया, और संसार के दूसरे छोर तक।" आप इसका विश्वास करते है? [सभा "आमीन"—सम्पा।] चैक भरकर हस्ताक्षर करके ऊपर भेज दो, देखो क्या होता है। परमेश्वर इसे देगा। परमेश्वर के द्वारा दिया गया मार्ग। उसने आपको चैक की किताब दे दी है, आगे बढ़े और भर दे। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? ["आमीन।"] निश्चय ही। परमेश्वर के पास सदा पहले एक तय मार्ग होता है।

194 एक दिन याईर नामक एक छोटा बूढ़ा व्यक्ति था। ओह, उसने अपने आपको एक प्रकार के अविश्वासियो से जोड़ रखा था।

195 जैसे की सारे प्रचारको का झुण्ड, आज भी वे उन्ही से जुए में जुड़े हुए है। बाईबल ने कहा, "अपने को अविश्वासयों के साथ जुए में मत जोड़ो।" ठीक है। पहली बात आप जानते है...

आश्चर्य यह किसने कहा? आपने?

196 अच्छा, बाइबल ने कहा, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे। मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकालेंगे, नई–नई भाषा बोलेंगे, सांपों को उठा लेंगे, नाशक वस्तु पी लेंगे; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, वे चंगे हो जाएंगे।" आप आज यह आधी कलीसिया में प्रचार करें, वे आपको दरवाजे

से बाहर निकाल देंगे। यह ठीक बात है। यह ठीक बात है। परमेश्वर के दिए गए मार्ग को नहीं जानते, परंतु उसने यही कहा है। यीशु ने यही कहा है। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा "आमीन"—सम्पा।] जी हां, श्रीमान।

197 तब यदि उसने ऐसा कहा है, तो आमीन, मैं इसका विश्वास करता हूं। मैं सोचता हूं कि यह सत्य है, और मैं उसके मार्ग में चलता हूं, उसने कहा करो। और वह इसकी पुष्टि, चिन्हों, और चमत्कारों के करने से करता है। यह ठीक बात है।

198 इसलिए वही चीज करिए सीधे उसी में जाए। यह प्रत्येक के... जो भी चाहे, उसे भीतर आने दो। आओ। परमेश्वर ने आपको बुलाया है, आपको आना है, इसलिए सीधे इसमें आ जाओ। अधिक प्रतीक्षा ना करें। आज रात्रि, इसे ले ले।

199 मैं देखता हूं कि; इसे ढूंढे व्यक्ति ने स्वयं को जोड़ लिया है। उसने यीशु से प्रेम किया, परंतु यह अब भी वैसा ही है... वह अपने सम्मान को खोना नहीं चाहता, आप आशीषो को जानते हैं। इसलिए वे बाहर निकल आए; वे आ गए।

200 इसलिए प्रभु ने कहा, "अब उसे छोटे बूढ़े व्यक्ति को वहां नीचे देखो। मैंने उसे अनंत जीवन के लिए पहले से ठहराया है, और वहां वह अविश्वासियों के झुंड के साथ है। इसलिए मैं उसे जकड़ लूंगा।" वह अपनी पुत्री को बीमार पड़ने देता है।

उसने कहा, "अच्छा, मैं डॉक्टर डो को बुलवाऊंगी।"

201 डॉक्टर डो ने इधर देखा। उसने कहा, "नाडी नीचे जा रही है, याईर। याईर बताता है हम क्या अच्छा करे; अच्छा हो कि हम *यह, वह* करें।" और उसने उसे सारी दवाइयां दी और आदि–आदि। वह मरने वाली हो गई।

202 तब उसने कहा, "मैं—मैं—मैं—मैं यदि परमेश्वर का कोई दिया हुआ मार्ग है? " ओह, प्रभु!

203 उस मनुष्य को जिसमें उसकी दिव्य चंगाई के विषय में बहुत ही आलोचना की थी! या, उसके विषय में सुना और उसने कहा, "हां। हां। हुंह।"

"याईर, क्या तुम नहीं सोचते कि वह ढोंगी है? "

204 “नहीं,” पवित्र आत्मा ने कहा, “वह ढोंगी नहीं है। आप उस पर विश्वास करते है।”

205 “ओह, हां, ठीक है। ओह, मेरा—मेरा—मेरा अनुमान है कि वह है।

206 देखिए, किनारे पर चलने वाले प्रचारकों का यही ढंग होता है, यह ठीक बात है, बस डरते है। ओह, परमेश्वर उनमें से इच्छा करने की भावना निकाल दें और आप में स्थिरता दे!

207 मुझे बड्डी रॉबिंसन की गवाही अच्छी लगती है। उसने कहा, “प्रभु मुझे स्थिरता प्रदान करे उस बड़े लट्ठे के समान। मेरे प्राण के अंतिम भाग में बहुत सारा शोर भर दे। और मुझे शैतान से लड़ने दे और जब तक मेरा एक दांत बचे, और तब तक मैं मरूं उसे चुविंगम के समान चबाता रहूं।” मुझे यह अच्छा लगता है। यह ठीक बात है। उसने कहा, “मेरे पास एक पुराना विशेष जाति का कुत्ता है। वह बुढा होकर मरा। वह उस कुत्ते को लाई जब तक उसके अंतिम दांत था, और उन कुत्तों के मसूढे चढ़वाये, और चिल्लाए।” मुझे वह पसंद है। सही है! हाल्लेलुय्या!

208 आप कहते है, “भाई ब्रन्हम, मेरे पास थोड़ी सी ही शिक्षा है। मैं बहुत ही छोटा हूं। प्रचार मुझे भगा देंगे!”

209 हम थोड़ा सा पीछे कहानी में चले। “यह लड़ाई में कुत्ते के आकार का मामला नहीं; यह तो लड़ाई की प्रवृत्ति कुत्ते में कितनी है।” आज यही बात है! यहां खड़े हो जाये! मैं आपकी तुलना कुत्ते से नहीं कर रहा हूं, परंतु वहां खड़े हो।

210 जैसे कि पुराने शासक ने एक दिन कहा, जैसे ही वह जाने के लिए तैयार हुआ। कहा, “शासक आप कैसे हैं? ”

211 कहा, “भाई मैं आपको बताना चाहता हूं।” कहा, “मुझ में दो कुत्ते है। एक काला और एक सफेद। काला वाला मुझसे गलत करवाना चाहता है, और सफेद वाला मुझसे सही करवाना चाहता है।” बोला की, “वे सदा लड़ते झगड़ते रहते हैं।”

मैंने कहा, “शासक, कौन सा वाला जीतता है? ”

कहा, “निर्भर करता है कि शासक किसे अधिक भोजन खिलाता है।”

212 और ठीक भी है। जी हां, श्रीमान। ठीक है, भाई। मैं आपको बता रहा हूं, आज रात्रि संसार को एक अच्छे पुराने झटके की आवश्यकता है।

213 याईर ने कहा, "अब एक मिनट रुके।" बेटी अधिक बीमार हो गई। उसे पाने के लिए केवल एक आशा है, वह थी की यीशु के पास जाये। वे... यीशु के पास चल पड़े।

214 जबकी वह मार्ग में ही था... मैंने देखा उसे वहां आते देखा। और वह स्त्री अपने लहू बहने के रोग से चंगी हो गई। यहां वह जा रहा है, उसने कहा, "मेरी पुत्री अब वहां पड़ी है... मैं चिंता नहीं करता कि याजक क्या कहता है, कोई क्या कहता है। क्या आप आकर, मेरी पुत्री पर हाथ रखेंगे? मैं विश्वास करता हूं कि आप ही परमेश्वर का दिया गया मार्ग है, उसकी चंगाई के लिए। क्या आप आकर उस पर हाथ रखेंगे, वह चंगी हो जाएगी? "

कहां, "मैं जाऊंगा।"

215 यहां उसने चलना आरंभ किया। पहली बात आप जानते हैं, कि एक व्यक्ति उनके घर से, यह कहता हुआ भागा, "गुरु को कष्ट ना दें, क्योंकि वह मर चुकी है।" ओह, ओह, प्रभु! मैं उसके छोटे ह्रदय को देख सकता हूं कि उसके अंदर इतनी जोर से धड़का।

216 मैं उन प्रिय, अनुग्रहकारी यीशु की आंखों को उसकी ओर घूमते हुये देख सकता हूं, कहता है, "क्या मैंने नहीं कहा, 'मत डर तू परमेश्वर की महिमा को देखेगा'? " वह परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग है।

217 अंधा बरतलमई नामक वहां एक बुढा व्यक्ति था, एक दिन फाटक पर बैठा हुआ, भीख मांग रहा था। यह अक्टूबर का ठंड का मौसम था। उसने सड़क पर एक शोर आते सुना। "यह क्या है? "

"क्यों, " उसने कहा, "यह वो—वो नासरत का यीशु है"

218 उसने कभी नहीं देखा था... उसने अपना कपड़ा उतारा। उसने उसे कभी भी नीचे नहीं रखा था, और ना ही मैं किया था, आप जानते है, वह अपने अंधेपन में खोज कर उसके पास वापस जाता है। वह अपना कपड़ा एक ओर फेंक देता है। परमेश्वर द्वारा दिया गया एक मार्ग था और वह इसके पीछे था। वह यहां भागा आया।

219 कोई कुछ... ? ... कहता है, "बैठ जाओ! बैठ जाओ! उसके पास समय नहीं की तुम्हारे साथ नष्ट करें।"

220 वह अधिक जोर से चिल्लाया, "यीशु, दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया कर! मुझ पर दया कर!" वह भीड़ में जोर लगा रहा था। "मुझ पर दया कर! मैं

जानता हूं कि तू मेरी आंखों के लिए परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग है। ओह प्रभु, मुझ पर दया कर!" यह ठीक बात है।

221 एक दिन मैंने अंधे बरतमई का इतिहास पढ़ा, एक छोटी कहानी। उन्होंने बताया कि वह वर्षों से अंधा था। उसके पास एक छोटी लड़की थी जिसे उसने कभी नहीं देखा था। एक रात्री... और वह वहां जाकर सड़क पर बैठा जाया करता था। उसके पास एक छोटा मेम्ना था। मेम्ना अंधे लोगो की अगुवाई किया करते थे जैसे आज कुत्ते करते है; कुत्ते अंधे व्यक्ति की अगुवाई करते हैं। उनके पास सिखाये हुए मेमने अंधो की अगुवाई के लिए थे। और तब एक ने कहा, एक दिन, वह...

222 उसके पास दो छोटी–छोटी पंडुकियां थी और वे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए *इस* प्रकार से नाचती थी, जो यरूशलेम जा रहे होते थे, या उस—उस नगर में और वे उसके कटोरे में सिक्का डालते थे। वह अंधा था।

223 इस प्रकार से एक दिन उसकी पत्नी बहुत बीमार हो गई, इसलिए वह प्रभु के पास गया। उसने कहा, "प्रभु, मेरे पास कुछ नहीं है। मैं एक निर्धन व्यक्ति हूं। मैं अंधा व्यक्ति हूं। मेरे पास आपको देने के लिए कुछ नहीं है। परंतु प्रभु, मैं आपके ऊपर विश्वास करता हूं। यदि आप मुझ पर दया कर दे और मेरी पत्नी को जीवित रहने दे, तो कल मैं अपनी पंडुकियां आपको बलिदान के लिए दे दूंगा।" उस रात्रि प्रभु ने उसकी पत्नी को चंगा कर दिया।

224 अगले दिन वह वापस याजक के पास गया, और दोनों पंडुकियां बलिदान के लिए दे दी। तब उसके पास मेमने को छोड़ और कुछ ना बचा।

225 अधिक समय नहीं बिता उसकी छोटी लड़की बीमार हो गई। डॉक्टर उसके लिए कुछ नहीं कर सका। उसने कहा, "प्रभु, मेरे पास बस अब एक चीज बची है," और कहा, "वह मेम्ना है। परंतु यदि आप मेरी छोटी लड़की को जीवित रहने दे, जिसे मैंने कभी नहीं देखा, यदि आप उसे चंगा कर दे, तो फिर मैं आपको अपना बलिदान के लिए दे दूंगा।" तब प्रभु ने उसकी छोटी पुत्री को चंगा कर दिया।

226 उसके कुछ दिनों के पश्चात, वह सड़क पर जाने लगा, मेम्ना उसकी अगुवाई कर रहा था। कैफा और महायाजक, उसके पास आकर, कहने लगे, "अंधे बरतीमई, तुम कहां जा रहे हो? "

227 उसने कहा, "मैं जाता हूं, ओह महायाजक मैं मंदिर को जाता हूं। मेम्ना मुझे मंदिर ले जा रहा है; कि मैं मेम्ने को बलिदान के लिए दे दू।"

"ओह," उसने कहा, "तुम यह नहीं कर सकते।"

कहा, "हां," बरतीमई।

228 कहा, "मैं तुम्हें मेम्ने का दाम देता हूं। जाकर एक खरीद लो।"

229 उसने कहा, "मैंने प्रतिज्ञा में परमेश्वर से किसी मेम्ने के लिए नहीं कहा। मैंने *इस* मेम्ने के लिए वचन दिया है, इस मेम्ने के लिए।"

230 कहा, "अंधे बरतमई, तू इस मेम्ने को नहीं ले जा सकता। यह मेम्ना तेरी आंख है। तू इस मेम्ने के बिना नहीं देख सकता। यह मेम्ना तेरी अगवाई करता है। यह तेरी आंखें है, अंधे बरतमई। तू इस मेम्ने को नहीं चढ़ा सकता।"

231 कहा, कि बूढ़ा व्यक्ति थोड़ा सा कांप कर और बोला, "ओह महायाजक, परमेश्वर अंधे बरतमई को आंखों के लिए मेम्ना देगा।"

232 परमेश्वर उसके ह्रदय को आशीषित करें! जब उसने वह आते हुए सुना; कि परमेश्वर ने एक मेम्ना दिया है। वह वहां पर है।

233 आज रात्रि वह परमेश्वर द्वारा दिया गया मेम्ना है। वह हमारी आंखों के लिए दिया गया मेम्ना है, आत्मिक आंखों के लिए। वह आपके प्राण के लिए दिया गया मेम्ना है। वह नर्क से बच निकलने के लिए दिया गया मेम्ना है। वह स्वर्ग में आप की महिमा के लिए दिया गया मेम्ना है।

234 क्या आप उसे स्वीकार नहीं करेंगे, जबकि हम प्रार्थना करते है, जबकि हम अपने सिरों को झुकाए हुए हैं?

235 ओह प्रभु परमेश्वर, स्वर्ग और पृथ्वी के रचने वाले, अनंत जीवन के लेखक, और हर अच्छे वरदान के देने वाले; इन लोगों पर अपनी आशीष भेज। यह बेचारे लोग, इन्होंने इस बात पर ध्यान दिया है और तैयार हो गये है, प्रभु; परंतु मैं यह जानता हूं कि आपने एक मार्ग दिया है।

236 आपने कहा, "जैसा कि यह नूह के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" एक तैयारी का समय, एक समय जब... एक स्थान उनके लिए तैयार किया गया है जो क्रोध से बचना चाहते है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं जो कि अब इस समय... वह परमेश्वर का मेम्ना जो अंधे व्यक्ति की आंखों के लिए दिया गया था, या उस महिला को

जिसे लहू बहने का रोग था, जिसने लहू रोक दिया, मेम्ना जो मृत लाजर के लिए दिया गया था। परमेश्वर, अनुग्रह करें।

237 जब मैं इस विषय में सोचता हूं कि वही मेम्ना एक दिन मेरी अंधी आंखों के लिए दिया गया; जब मायो बंधुओं ने तीन वर्ष पहले, मुझे बताया कि मेरे फिर चंगा होने की कोई आशा नहीं। तो परमेश्वर मेम्ने की व्यवस्था की।

238 जब आपने अपना स्वर्गदूत वहां ग्रीन मील पर भेजा और कहा, "जाकर यह करो," मैं इस महान संसार में अनीश्वरवादी और अविश्वासियों के सामने कैसे कर सकता था? परंतु परमेश्वर ने मेम्ने की व्यवस्था की।

239 परमेश्वर, प्रभु यहां मेरी छोटी सी कलीसिया है, जैसा कि मैं इसे देखता हूं! और मैं हजारों मील समुद्र पार की सोचता हूं, और जमे हुए मैदानों और हिमखंड! कैसे मैं वहां बहुत सी बार अकेले स्थान में बैठा, प्रार्थना की। समयों के विषय में सोचता हूं कि जब वे यहां आकर और मुझसे हाथ मिलाएंगे। पुरानी लकड़ी का बुरादा फर्श पर बिखरा हुआ है, जब हवा चली तो खिड़कियां हिल रही है।

240 मैं अपनी प्रिय पत्नी को लाने की सोचता हूं, और क्रूस के चरणों के पास रह रहा हूं, उसके अंतिम संस्कार पर प्रचार कर रहा हूं। प्रभु, मैं अपने छोटे बालक को स्मरण करता हूं, जिसे उसके बाहों में रखा।

241 मैं बेचारे छोटे बिली पॉल को स्मरण करता हूं, जिसे आपने कुछ घंटों पहले पवित्र आत्मा से भरा है। वहां उसकी कब्र पर आ रहा है, वहां उस प्रातः कि उस पर ईस्टर के फूलों को रखे और उसने रोना आरम्भ कर दिया; मैंने उस छोटे लड़के के गले में बाहें डाल दी, और कहा, "परमेश्वर ने एक मेम्ना दिया है, एक पाप बलि। किसी दिन यह छोटी कब्र खुलेगी; मां बाहर आएगी, और ऐसे ही छोटी बहन। परमेश्वर ने मेम्ने की व्यवस्था की है।"

242 इन्हीं किन्ही दिनों में, जब मेरा अंतिम उपदेश प्रचार कर दिया जाएगा; मुझे उस कमरे में रखा जा सकता है, और मैं अनुभव करूंगा कि मेरी बाहों में नाडी आ रही है, ठंडी मृत्यु की बड़ी लहर मेरे कमरे में तैर रही है, जैसे ही खिड़की खुलती है, पर्दा उडता है। जीवन की नाव को धक्का दिया तब, प्रभु। मेरी अंतिम सवारी को ले लेगा। मैं बस चादर फैला दूंगा। ढक्कन बंद हो जाएगा, और चादर मुझे ढांक रही होंगी।

243 मैं मृत्यु की घाटी की छाया में से होकर निकल जाना चाहता हूं। मैं यर्दन पार आना चाहता हूं, "मेरे मार्ग को खोल दो!" और चिल्लाता हूं,

"यर्दन, मार्ग छोड़ दें! पार जा रहा हूं!" प्रभु, तब मेरे द्वारा जीवन की नाव को धक्का दे। मुझे स्वीकार करें, प्रभु? तब मुझे स्वीकार करे, प्रभु, क्या आप करेंगे? केवल मैं ही नहीं, परंतु यहां प्रत्येक जो उपस्थित है, उस समय ग्रहण किया जाए, क्या प्रभु, आप करेंगे? इसे प्रदान करें। तब से, हम में से बहुत से पार हो गए होंगे, और वापस स्वर्गलोक को जाते हैं और तब जीवित रहने को।

244 पिता, यदि आज रात्रि कोई पुरुष या स्त्री जो आपको ना जानते हो इसके मूल्य के विषय में, ना जानते हो कभी भी नया जन्म, ना पाया हो कभी भी परमेश्वर द्वारा व्यवस्थित मार्ग ना पाया हो, होने पाए कि वे अभी इसे पा ले, जैसा की हम यीशु मसीह के नाम में होकर प्रार्थना करते है।

245 मेरे पापी मित्रों अपने झुके हुए सिरों के साथ। परमेश्वर आपके ह्रदयो को आशीषित करें। बहुत से जो बाहर या अंदर है। पवित्र आत्मा यहां पर है। क्या आपने कभी परमेश्वर वाला मार्ग स्वीकार किया है, परमेश्वर द्वारा आपके लिए दिया गया मार्ग? आप इसकी दक्षता के लिए कुछ नहीं कर सकेंगे। परमेश्वर ने यह आपके लिए व्यवस्थित किया है। क्या आप इसे लेने के लिए नहीं आएंगे? क्या आज रात्रि, आप नहीं आएंगे? यदि कोई पापी मित्र यहां पर हो, अपना हाथ उठाकर, कहे, "भाई ब्रन्हम, मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं परमेश्वर के द्वारा दिया गया मेम्ना अपने जीवन में चाहता हूं।"

246 यहां सामने वेदी पर हमारे पास वेदी की बुलाहट के लिए स्थान नहीं है। स्थान नहीं है, इसलिए आपसे हाथ उठाने के लिए कहा है। क्या आप यह करेंगे, एक पापी? श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। और बहन परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको और आपको आशीष दे।

वहां पीछे, फिर, कोई और पीछे है?

247 अब यहां मेरे सीधे हाथ की ओर? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई और अपना हाथ उठाकर कहता है, "मुझे स्मरण रखें। ओह परमेश्वर, आज रात्रि मुझ पर अनुग्रह करें, आपके मेम्ने का जीवन।" बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं आपको यहां बैठे हुए देखता हूं।

248 बाहर कोई चल कर, और अपने हाथों को पर्दे पर रखें, और कहे, “भाई ब्रन्हम, मुझे स्मरण रखें। मैं परमेश्वर द्वारा दिया गया मार्ग चाहता हूं।”

परमेश्वर का मार्ग जो हमारे लिए बनाया गया HIN52-0900

(God's Way That's Been Made For Us)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में सितंबर, 1952 में, ब्रंहम टेबरनेकल जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org